Social & Educational activities performed by Chaudhary Charan Singh University, Meerut during COVID-19 pandemic

Prof. Narendra Kumar Taneja
Vice Chancellor,
Ch. Charan Singh University, Meerut.

विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी आईसोलेशन वार्ड की सुविधा

विवि गेस्ट हाउस, हॉस्टल में आइसोलेशन वार्ड बनने शुरू

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना के बढ़ते मरीजों की संख्या के क्रम में विवि कैंपस के गेस्ट हाउस और हॉस्टल को आइसोलेशन वार्ड में बदलने का काम शुरू हो गया है। शुरुआत में विवि कैंपस का एक हॉस्टल और गेस्ट हाउस प्रशासन को हैंडओवर होगा।

विवि ने प्रशासन के निर्देशों के अनुसार गेस्ट हाउस एवं हॉस्टल में व्यवस्था करना शुरू कर दिया है। शोभित विवि ने भी प्रशासन को अपना इंटरनेशनल हॉस्टल सौंप दिया है। सीसीएसयू ने गेस्ट हाउस में 18 कमरे प्रशासन को सौंपे हैं। प्रशसन ने विवि को एक हॉस्टल भी आइसोलेशन वार्ड के लिए तैयार करने को कहा है। विवि प्रशासन के अनुसार गेस्ट हाउस और एक हॉस्टल को आइलेशन वार्ड के अनुसार तैयार कराया जा रहा है।

सीसीएसयू गेस्ट हाउस भी बना आइसोलेशन वार्ड

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोविड-19 महामारी को देखते हुए शहर के कई शिक्षण संस्थानों में आइसोलेशन के वार्ड बनाए जा रहे हैं। आपातकालीन स्थिति में अब चौ.चरणसिंह विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में भी आइसोलेशन वार्ड बनाने की तैयारी की गई हैं। इसके लिए कक्ष भी चिह्नित कर लिए गए हैं। कुलपति प्रो. एनके तनेजा के निर्देश पर शहीद कर्नल एचके सहरावत अतिथि गृह के 18 कक्ष को आइसोलेशन वार्ड बनाया गया हैं। संभावित पीड़ितों के लिए यहां शौचालय और बेड की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विवि ने इसकी सूचना क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को भी दे दी है।

कोरोना वायरस को लेकर विवि के 17 कमरे हुए अधिग्रहित

मेरठः कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर प्रशासन ने शिक्षण संस्थाएं, अस्पताल और होटल अधिग्रहित करने शुरू कर दिए हैं। इस प्रक्रिया में चौधरी चरण सिंह विवि के 17 कमरों को अधिग्रहित कर लिया गया है। कुलसचिव धीरेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्रिय उच्च शिक्षाधिकारी डा. राजीव सिंह के पत्र के अनुसार कमरा नंबर 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 302, 303 और 304 महामारी को देखते हुए आरक्षित कर दिए गए हैं। यह कमरे विवि परिसर में स्थित शहीद कर्नल एचके सहरावत गेस्ट हाउस में है। इनमें जरुरत पड़ने पर कोरोना से सभांवित पीड़ितों को रोकने के लिए तैयार किए गए हैं।

सीसीएस यूनिवर्सिटी में तैयार 17 रूम

MEERUT (31 March): शहर में बढ़ते कोरेना संक्रमण को देखते हुए सीसीएस यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी खास पहल की है. प्रशासन की मांग पर सीसीएसयू में क्वारंटीन रूम तैयार किए गए हैं. सीसीएस यूनिवर्सिटी ने 17 रूम चिन्हित किए है. सीसीएस यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. एनके तनेजा ने कहाकि प्रशासन की मांग पर यूनिवर्सिटी में फिलहाल 17 रूम को चिन्हित किया गया है. उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी के शहीद कर्नल एच.के सहरावत अतिथि गृह में कमरा नंबर 102 से 108 तक, 202 से 208 तक और 302 से 304 तक सभी रूम तय कर दिए गए हैं.

लॉकडाऊन के चलते कुलपति जी द्वारा की गयी अपीलें

अपील

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ तथा संबद्ध महाविद्यालयों के सभी शिक्षक , छात्र - छात्राओं तथा गैर शिक्षक कर्मियों से मैं अपील करता हूँ कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आज सायं पाँच बजे अपने घर की छत पर,बालकोनी में या खिड़की के सामने खड़े हो कर पाँच मिनट के लिए ताली बजा कर या घंटी बजा कर पूरे देश के सभी चिकित्साकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों तथा घरों में काम करने वाले ऐसे सभी भाई बहनों , जो अपने स्वास्थ्य की चिंता न करते हुए अपना कर्तव्य पालन कर हम सब को Corona Virus के भयंकर संकट से बचाने में दिन रात लगे हैं , उनका धन्यवाद ज्ञापित करें।

नरेन्द्र कुमार तनेजा, कुलपति, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

अपील

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिवार की और से मैं कोरोना वायरस से उत्पन्न हुई परिस्थितियों का सामना करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा उठाये गए कदमों की प्रशंसा करता हूँ तथा संकट की इस घडी में राज्य सरकार, जिसके आर्थिक साधन सीमित हैं, को आर्थिक रूप से सहयोग देने के लिये विश्वविद्यालय परिसर तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणेत्तर कर्मियों का आह्वान करता हूँ। मैं अपने मार्च–2020 के मासिक वेतन में से 15 दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में देने के लिए विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी को आवश्यक कटौती हेतु निर्देशित कर चुका हूँ।

इसी क्रम में मैं विश्वविद्यालय के शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मियों एवं अधिकारियों से अपील करता हूँ कि आप भी अपने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए राज्य सरकार को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए आगे आएं और अगले दो दिवसों में अपने–अपने वेतन से की जाने वाली ऐच्छिक कटौती के बारे में वित्त अधिकारी को अनुरोध करें। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मी अपना ऐच्छिक योगदान अपने–अपने प्राचार्यों को सूचित करें एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यो से अनुरोध है कि वे अपने स्तर से क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी, मेरठ को इस आशय की सूचना शीघ्र प्रेषित करें।

मुझे विश्वास है कि पूर्व की भाँति विश्वविद्यालय परिवार के सभी लोग संकट की इस घडी में अपने सामाजिक सरोकार एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आगे आएंगे एवं बढ–चढकर आर्थिक सहयोग प्रदान करेंगे।

धन्यवाद।

नरेन्द्र कुमार तनेजा
कुलपति

सीसीएस के कुलपति ने शहर के लोगों से की अपील

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने शहर के लोगों से रविवार को रात 9 बजे मोमबत्ती और दीपक जलाकर रोशनी करने की अपील की है। प्रो.तनेजा ने अपने पत्र में कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना को हराने के लिए 5 अप्रैल रविवार को रात्रि 9 बजे सभी लोगों से घरों की लाइट बंद करके घर की बालकनी और छतों पर खड़ा होकर मोमबत्ती, दीपक, टार्च या फिर मोबाइल फ्लैश लाइट जलाने की अपील की है। प्रधानमंत्री की इस अपील में सभी लोग सहयोग करें और अपने सामाजिक सरोकार का परिचय दें कि कोरोना की इस लड़ाई में कोई अकेला नहीं है।

सभी एकसाथ हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक जिस तरह से शहर के लोगों ने जिला प्रशासन और सरकार के निर्देशों का पालन किया है वह काफी सराहनीय है। आगे भी इसी तरह का सहयोग बनाये रखे। उन्होंने कहा कि यह जंग किसी व्यक्ति या समाज की नहीं वरन पूरी मानवता की है।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

अपील

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के सभी शिक्षक, छात्र–छात्राओं तथा गैर शिक्षक कर्मियों से मैं अपील करता हूँ कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आवाह्न पर करोना के अंधकार को चुनौती देने हेतु दिनांक 05 अप्रैल, 2020 को रात्री 09.00 बजे सभी घरों की लईटें बन्द करके घर के दरवाजे या बालकॉनी में खडे होकर मोमबत्ती/दीया/टॉर्च/मोबाईल की फ्लैश लाईट 9 मिनट तक जलाऐं जो इस संकल्प का संकेत भी होगा कि "**हम अकेले नही हैं, कोई भी अकेला नहीं है।**"

मुझे विश्वास है कि पूर्व की भॉति संकट की इस घडी में अपने सामाजिक सरोकार एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए हम सभी बढ–चढकर आगे आएंगे तथा सामाजिक दूरी बनाये रखने का पालन करते हुए एक स्थान पर एकत्रित नही होगें।

धन्यवाद।

नरेन्द्र कुमार तनेजा
कुलपति

लॉकडाउन के दौरान कुलपति जी द्वारा दिये गये सुझाव

विवि कुलपति ने शिक्षकों और छात्रों के लिए लिखी पाती

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

कुलपति प्रो. एनके तनेजा

लॉकडाउन के 10वें दिन चौधरी चरण सिंह विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने कार्यक्रम समन्वयक प्रो. वीरेंद्र सिंह एवं कुलसचिव धीरेंद्र कुमार के माध्यम से अपने शिक्षकों और विद्यार्थियों के नाम एक पाती जारी कर कोरोना वायरस से लोगों को सचेत रहने के लिए कहा है। साथ ही उन्होंने कोरोना वायरस के लक्षण तथा बचाव के तरीके बताते हुए सभी से घरों में ही रहने की अपली की है। कुलपति ने छात्रों इस समय का सदुपयोग करने के साथ ही जरूरतमंदों की मदद करने के लिए भी कहा है। एनके तनेजा ने बताया है कि अभी तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बन सका है। इसके संक्रमण से बचाव के लिए एकांतवास और सोशल डिस्टेंसिंग ही एकमात्र उपाय है। उनका कहना है कि इस समय घर में रहकर सभी को बोरियत का भी अनुभव हो रहा होगा, जो स्वभाविक है। मगर दृष्टिकोण को सकारात्मक रखते हुए चुनौतियों के इस समय को भी आप उपयोगी बना सकते हैं। आज इंटरनेट के माध्यम से हम महापुरुषों व वैज्ञानिकों की जीवनी अथवा अच्छा साहित्य पढ़कर इस समय का सार्थक उपयोग कर सकते हैं।

मानवता की सेवा और घरों में रहने की अपील

शिक्षकों से कहा-शोध करें और छात्रों से संवाद कायम रखें

गुरु शिष्य की परंपरा को निभाएं

रजिस्टार धीरेंद्र कुमार का कहना है कि हमारे यहां गुरु-शिष्य की अनूठी परंपरा है रही है। इसलिए सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि वह विद्यार्थियों से फोन, ई-मेल, सोशल मीडिया आदि से सपर्क कर संवाद बनाए। वहीं छात्र और शिक्षक कोरोना से संबंधित शोध भी कर सकते हैं।

इनका प्रयोग कर कम कर सकते हैं बोरियत

- अच्छी किताबें और अच्छा साहित्य पढ़े।
- विद्यार्थी अपनी परीक्षा और सभी शिक्षक अपने आगामी व्याख्यानों की की तैयारी करे।
- सभी शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक ऑनलाइन पाठ्य वस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास करें।
- अपनी अलमारी, किताबे और कपड़ों आदि को व्यवस्थित करे।
- हमेशा तनाव मुक्त रहें।
- लूडो, कैरम, शतरंज जैसे इनडोर गेम खेले।
- घर में उपलब्ध नहीं हो तो इंटरनेट का सहारा लिया जा सकता है।
- कॉमेडी मूवी अथवा रामायण देखें ताकि मानसिक तनाव कम हो।
- यदि कोई बुजुर्ग घर में है तो उनके अनुभवों का लाभ उठाएं।
- अगर आप आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो प्रधानमंत्री केयर फंड में कुछ दान दें।

क्या न करे

- हर समय टीवी पर न चिपके रहे यह तनाव बढ़ाता है।
- अपने खाली दिमाग को शैतान का घर न बनने दें।
- अफवाहों पर ध्यान ना दें और न ही उन्हें फैलाने में सहायक बने।
- अपने आपको पूरी तरह सेनेटाइज करें।
- अपनी सुरक्षा करें आपकी सुरक्षा में ही राष्ट्र की सुरक्षा है।

चौधरी चरण सिंह विवि ने छात्र-छात्राओं को दी सलाह, एनएसएस-एनसीसी और स्काउट-गाइड से पांच-पांच श्रमिकों एवं जरूरतमंदों को खाना खिलाने की अपील

पक्षियों की आवाज सुनें, जरूरतमंदों को खाना खिलाएं

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

कोविड-19 का प्रसार रोकने को लॉकडाउन के चलते घर लौटने अथवा काम बंद होने से परेशान श्रमिकों का सहारा एनसीसी, एनएसएस और स्काउट-गाइड के स्टूडेंट बनेंगे। विवि ने मेरठ-सहारनपुर मंडल के स्टूडेंट से इस मुहिम में जुटने का आह्वान किया है। विवि ने स्टूडेंट से अपने आसपास प्रतिदिन पांच श्रमिक एवं असहायों को खाना खिलाने की अपील की है। एनएसएस, एनसीसी और स्काउट-गाइड से जुड़े स्टूडेंट कोरोना संक्रमण से बचाव को अभियान भी चलाएंगे।

कुलपति प्रो. एनके तनेजा, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार, एनएसएस के समन्वयक डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बुधवार को उक्त निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि जागरूकता और सावधानी ही बचाव का एकमात्र रास्ता है। युवा कोरोना से मुकाबले में अपनी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। रजिस्ट्रार के अनुसार एनएसएस, एनसीसी और स्काउट-गाइड मिलकर अपने-अपने क्षेत्रों में समाज को जागरूक करते हुए लोगों को बचाव के तरीके समझाएं।

प्रो. एनके तनेजा, कुलपति।

विवि ने सुझाए यह काम

- अच्छी किताबें और साहित्य पढ़ें। शिक्षक ई-कंटेंट की तैयारी करें। उन्हें स्टूडेंट तक पहुंचाएं।
- शिक्षक और छात्र आपस में संवाद बढ़ाएं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए प्रश्न पूछें।
- मित्र, करीबी और रिश्तेदारों से वीडियो कॉलिंग के जरिए संपर्क बनाए रखें।
- वीडियो चैट के जरिए ऑनलाइन अंताक्षरी खेल सकते हैं।
- प्रकृति व पक्षियों की चहचहाहट सुनें। घर में बुजुर्ग हैं तो उनसे बात करें।
- परिवार में कोई छोटा बच्चा है तो उसके साथ समय बिताएं।
- छात्राएं सिलाई-बुनाई कुकिंग, बेकिंग, ड्राइंग-पेंटिंग जैसे रचनात्मक कार्यों को सीखें।
- केवल टीवी पर दिनभर ना चिपके रहें। अफवाहों पर ध्यान ना दें।

छात्र-छात्राओं ने लगाए जागरूकता पोस्टर

मेरठ। आरजी कॉलेज की छात्राओं ने बुधवार को अपने-अपने गांव में जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमिता शर्मा के निर्देशन छात्राओं ने लोगों को साफ-सफाई रखने, साबुन से हाथ साफ करने और विटामिन-सी युक्त पदार्थों का सेवन करने की अपील की। मवाना में जूली, अफसा ने इकबाल नगर में जबकि बहादुरपुर हवेली में मोनिका ने पोस्टर चस्पा किए। छात्राओं ने ग्रामीणों से गरीबों को दान देने की अपील की।

कोरोना पर पोस्टर बना चलाया अभियान

एमआईईटी के बीएड विभाग के स्टूडेंट ने ऑनलाइन जागरूकता अभियान की शुरुआत करते हुए कोरोना हारेगा देश जीतेगा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए अभियान चलाया है। समन्वयक संगीता जुयाल के अनुसार पोस्टर एवं स्लोगन को फेसबुक, वाट्सएप से लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. मयंक गर्ग, डीन डॉ. डीके शर्मा, डीन डॉ. निधि शर्मा एवं अजय चौधरी ने पोस्टर को शेयर करने की अपील की है।

अब सामाजिक दूरी बनाए रखना ही एकमात्र उपाय

जागरण संवाददाता, मेरठः चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने कोरोना वायरस के लक्षण और बचाव के तरीके बताते हुए, जागरूकता फैलाने को कहा है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों और कार्यक्रम अधिकारी को बुधवार को निर्देश भी दिए। रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार के माध्यम से निर्देश जारी किए गए हैं।

लोगों को सचेत करते हुए बताया गया है कि कोरोना वायरस मानव के बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है। इसके संक्रमण से तेज बुखार, सूखी खासी, जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या होती है। इसका टीका न होने की वजह से सामाजिक दूरी बनाए रखना ही एक मात्र उपाय है। सूखी खांसी के साथ तेज बुखार है तो ऐसी स्थिति में जांच कराने के लिए कहा गया है।

वे करें शिक्षक और कर्मचारीः कुलपति ने विश्वविद्यालय और कॉलेजों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी कहा है कि वह अपने स्तर पर भी कोरोना के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इसमें अध्ययन करने, शिक्षकों को अपने लेक्चर की तैयारी करने, आनलाइन पाठ्य वस्तुएं उपलब्ध कराने, मोबाइल से छात्रों की विषयगत समस्या सुलझाने के लिए कहा है।

इसके अलावा रामायण और महाभारत के सीरियल देखने, खुली छत पर सुबह शाम टहलने, मित्रो से फोन से संवाद करने, बुजुर्ग के अनुभव लेने, बच्चों के साथ खेलने, अपनी क्षमता के अनुसार प्रधानमंत्री केयर फंड में दान करने, प्रकृति और पक्षियों की चहचहाट सुनने सहित कई अन्य कार्यों में संलिप्त रहने के लिए कहा है।

अपील

- कुलपति ने कोरोना पर जागरूकता लाने के लिए दिए निर्देश
- प्रोफेसर तनेजा ने तनाव दूर करने के उपाय भी सुझाए

इससे रहे दूर

- हर समय टीवी पर ना चिपके रहें यह तनाव बढ़ाता है।
- अपने खाली दिमाग को शैतान का घर न बनने दें।
- अफवाहों पर ध्यान ना दें और ना ही उन्हें फैलाने में सहायक बनें।
- घर से बाहर बिल्कुल भी मत जाएं।
- अगर अनिवार्य कार्य हो तो मास्क लगाकर जाएं।
- घर पर वापस आते ही अपने आप को पूरी तरह सैनिटाइज करें।

छात्रों की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने का आह्वान

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन में तमाम शिक्षण संस्थान बंद हैं। एकेडमिक गतिविधियां पूरी तरह से ठहर गई हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन लगातार विश्वविद्यालय और कॉलेजों को कोरोना वायरस को लेकर जागरूक कर रहा है। शुक्रवार को यूजीसी ने छात्रों की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए सर्कुलर जारी किया, जिसे विवि की ओर आगे बढ़ाने को कहा गया है। यूजीसी ने छात्रों को जागरूक करते हुए कई उपाय सुझाए हैं, जिससे वे अपने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं। इसमें यूजीसी ने आयुष मंत्रालय के सुझाव अपनाने के लिए कहा है। इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कई उपाय भी दिए गए हैं।

चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने बताया कि यूजीसी ने जो निर्देश दिए हैं, सभी काफी उपयोगी हैं। इन सभी को विवि अपने स्तर से भी प्रचार-प्रसार कर रहा है, ताकि कोरोना से जंग के लिए जन सामान्य भी मजबूती से खड़े हो सकें।

ये आजमाएं

- पूरे दिन केवल गर्म पानी पिएं। -रोज कम से कम 30 मिनट योगासन और प्राणायाम, ध्यान करें।
- हल्दी, जीरा, धनिया, लहसुन आदि मसालों का भोजन में इस्तेमाल करें।

आयुर्वेदिक उपाय भी सुझाएं

- च्यवनप्राश सुबह लें। मधुमेह के रोगी शुगर-फ्री च्यवनप्राश लें।
- तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, सूखी अदरक, मुनक्का से बनी हर्बल टी, काढ़ा दिन में एक से दो बार पीएं। इसमें स्वाद के अनुसार गुड़ या नींबू रस मिला सकते हैं।

यह प्रक्रिया भी अपनाएं

- सुबह और शाम तिल, नारियल का तेल या घी नाक में लगाएं।
- एक चम्मच तिल या नारियल तेल को मुंह में लेकर दो से तीन मिनट कुल्ले की तरह मुंह में ही घुमाएं। फिर उसे थूक दें। गर्म पानी से कुल्ला कर लें। दो बार ऐसा करें।
- दिन में कम से कम एक बार पुदीना के पत्ते, अजवाइन डालकर पानी की भांप लें।
- खांसी या गले खराश होने पर लौंग के चूर्ण में गुड़ या शहद मिलाकर दिन में दो से तीन बार लें।
- गोल्डन मिल्क यानी गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर दिन में दो बार पीएं।

विश्वविद्यालय स्तर पर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गए अंशदान

मुख्यमंत्री सहायता निधि में कुलपति ने दिया वेतन

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोरोना वायरस जैसी महामारी से निपटने के लिए केंद्र और प्रदेश की सरकार अपने तरीके से काम कर रही है। कई संस्थाएं और लोग भी सरकार की आर्थिक मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। गुरुवार को चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने मार्च के मासिक वेतन में से 15 दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में देने को कहा है। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी को से अपील की है कि दो दिन में वह अपने वेतन से ऐच्छिक कटौती के विषय में वित्त अधिकारी से अनुरोध करें। संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी ऐच्छिक योगदान के लिए अपने- अपने प्राचार्य को सूचित करें। विवि कुलपति प्रो. एनके तनेजा के पहल पर आभार प्रकट करते हुए विवि के स्थायी कर्मचारियों ने भी मार्च महीने के वेतन ने एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए दिए जाने पर स्वीकृति प्रदान की है। वहीं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के ठकुराई गुट ने भी गुरुवार को शिक्षकों से एक दिन का वेतन राहत कोष में देने की अपील की है।

प्रेरक

- शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से भी सहयोग की अपील
- वेतन से ऐच्छिक कटौती के विषय में वित्त अधिकारी से करें अनुरोध

इसकी कटौती करने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से भी अपील की है कि वह इस विषम परिस्थिति में समाज की मदद करने के लिए आगे आएं।उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों

इन्होंने भी मदद को बढ़ाए हाथ

कुलपति ने राहत कोष में दी आधी सेलरी

मेरठ। चौ.चरण सिंह विवि के कुलपति ने 15 दिन जबकि कर्मचारी एसोसिएशन ने एक-एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराने की घोषणा की है।

विवि ने कॉलेज शिक्षकों से भी इस लड़ाई में सहयोग करते हुए अपना न्यूनतम दो-दो दिन का वेतन कोष में जमा कराने की अपील की है। सभी शिक्षकों को दो दिन में अपनी सहमति देनी होगी। कैंपस के शिक्षक वित्त अधिकारी को अपनी सहमति दर्ज कराएंगे। कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने गुरुवार को अपने मासिक वेतन से 15 दिन का वेतन राहत कोष में जमा करने की सहमति वित्त अधिकारी को दे दी।

गंगानगर: पीआरवी ने दिलाया गरीबों को राशन

गंगानगर। लॉकडाउन के बीच आर्थिक स्थिति बिगड़ने की वजह से गुरुवार को कसेरूबक्सर निवासी कुछ महिलाओं ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देते हुए बताया कि उनके पास खाने के लिए राशन नहीं है। पीआरवी 0569 पर तैनात हेड कांस्टेबल जोगेन्द्र सिंह और पुलिसकर्मी संदीप कुमार पहुंचे। यहां अनीता, रजनी, लक्ष्मी, ज्योति, पारूल, कमलेश, कविता, बीरो आदि ने बताया कि दो दिनों से भूखे हैं। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें राशन दिलवाया। वहीं, अम्हैड़ा निवासी राहुल कात्यान ने कसेरू बक्सर चैराहे के पास झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरुरतमंद परिवार को खाना वितरित किया।

21 लाख रुपये कोष में दिए, रोज दो हजार खाने के पैकेट बांटेंगे

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण में जुटी सरकार और लॉकडाउन में गरीब लोगों की मदद के लिए चौ. चरण सिंह विवि भी आगे आया है। विवि मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 लाख रुपये जमा कराएगा जबकि आज से गरीब लोगों के लिए खाने के दो हजार पैकेट तैयार करते हुए सीडीओ को सौंपेगा।

कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने शुक्रवार को उक्त निर्णय लेते हुए खाना बनवाने के आदेश दिए। प्रो. तनेजा के अनुसार विवि प्रतिदिन एक हजार पैकेट सुबह और इतने ही शाम को तैयार कराते हुए कुल दो हजार पैकेट प्रशासन को देगा। कुलपति के अनुसार वर्तमान समय में सरकार और लोगों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रो.तनेजा के अनुसार विवि मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 लाख रुपये देगा।

कुलपति जी द्वारा शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को वेतन देने के निर्देश

सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों को पाठ्यक्रम के हिसाब से देना होगा वेतन

मेरठ। सीसीएसयू से संबद्ध मेरठ और सहारनपुर मंडल के सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों को अब पाठ्यक्रम के हिसाब से शिक्षकों को निर्धारित सैलरी देनी होगी। शासन ने इसको लेकर हर कॉलेज में चल रहे पाठ्यक्रमों के साथ उनमें पढ़ रहे छात्रों और शिक्षकों की संख्या के बारे में जानकारी मांग ली है। विवि प्रशासन ने वेबसाइट पर पूरा डाटा देने को कहा है।

कोर्ट में याचिका डालने पर शासन ने पोर्टल पर मांगी शिक्षकों-छात्रों की पूरी जानकारी

सीसीएसयू के सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों की संख्या आठ सौ से ज्यादा है। इनमें कई हजार शिक्षक और लाखों छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। एक शिक्षक ने सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों में शिक्षकों की सैलरी में भारी विषमता की बात करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। पूरे मामले में हाईकोर्ट ले राज्य सरकार से जवाब देने को कहा है। ऐसे में इस मामले में प्रमुख सचिव शिक्षा की तरफ से सभी कुलपति और रजिस्ट्रार से इसको लेकर जवाब मांगा है। सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों में शिक्षकों की एक समान सैलरी निर्धारित करने को कहा है। ये सैलरी पाठ्यक्रमों के हिसाब से तय हो गई। शासन की तरफ से यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर कोई उस पाठ्यक्रम को बंद करना चाहता है तो कर सकता है। लेकिन सैलरी का निर्धारण करना होगा। विवि प्रशासन की तरफ से सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों से उनके यहां छात्रों और शिक्षकों का डाटा पोर्टल पर देने के लिए कहा है। यह डाटा 25 अप्रैल से पहले मांगा गया है। इस आदेश को लेकर सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों के संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। क्योंकि कुछ कॉलेजों में बड़ी संख्या में छात्र हैं तो कुछ में बहुत कम हैं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों द्वारा दी गयी ऑनलाईन एजूकेशन

ऑनलाइन स्टडी कराने की तैयारी

meerut@inext.co.in

MEERUT (4 April): कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते देश में लॉकडाउन है. वहीं, सीसीएस यूनिवर्सिटी में स्टडी डिस्टर्ब न हो, इसलिए वीसी डॉ. एन के तनेजा ने दिशा निर्देश दिए. सीसीएसयू के वीसी प्रो. एनके तनेजा ने सभी विभागों, रजिट्रार व सभी डीन्स और हेड को वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए दिशा निर्देश दिए, उन्होंने ऑनलाइन क्लासेज संचालित कराने पर जोर दिया. वीसी ने सभी को निर्देश दिए कि वे ऑनलाइन संसाधनों के जरिए कार्य जारी रखें. सभी क्लासेज जूम ऐप या स्काइप आदि पर शुरु कर दें

ऑनलाइन स्टडी को दिया जाए बढ़ावा, जूम ऐप के जरिए कराएं स्टडी

मेल आईडी व पासवर्ड दे

वीसी ने कहा कि जूम ऐप पर क्लासेज संचालित की जाएं. वही, सभी छात्रों को को ऑनलाइन लिंक दिया जाए. जिस पर वो अपनी आईडी बनाकर अध्ययन कर सके, इसके साथ ही ईमेल आइडी व व्हाटसऐप ग्रुप आदि के जरिए स्टूडेंट से टच बनाए और उनको पढ़ने में मदद करें, ऑनलाइन मैटीरियल प्रोवाइड कराया जाए. लॉकडाउन खत्म होने के बाद बचा हुआ कोर्स पूरा किया जाएगा, इसके साथ ही सेमेस्टर एग्जाम एक जून से 15 जून तक समाप्त किए जाएंगे. इसके तहत सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं.

दान देने की अपील

वही कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए भी वीसी एनके तनेजा ने सभी कर्मचारियों को सतर्कता के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी बीमारी को देश में हराने के लिए एकजुटता की बहुत जरूरत है. इसलिए हमें सरकार का सहयोग करना चाहिए. उन्होंने कर्मचारियों, टीचर्स से स्वेच्छा से मासिक वेतन पीएम राहत कोष में देने की अपील भी की है. उन्होंने कहा कि संकट में काल में हमें अपने भाइयों बहनों की मदद के लिए आगे आना होगा. ताकि कोरोना को भारत में हराया जा सके.

छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई कराएं शिक्षक : कुलपति

सीसीएसयू के कुलपति ने प्राचार्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्राचार्यों के साथ बैठक लेते कुलपति प्रो. एनके तनेजा।

मेरठ। राज्य सरकार के तमाम कर्मचारी अपनी ड्यूटी के घंटों से अधिक काम कर रहे हैं। लॉकडाउन के समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई कराएं ताकि किसी भी पढ़ाई प्रभावित न हो। जिस तरह कैंपस के शिक्षक ऑनलाइन पढ़ाई में योगदान दे रहे हैं, इसी तरह कॉलेजों में काम करें। यहां भी 90 फीसदी शिक्षक कॉलेजों से ही आए हैं। यह बात मंगलवार को सीसीएसयू कैंपस में कुलपति ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों से ऑनलाइन वीडियो कॉफ्रेंसिंग में कही।

कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को देखते हुए कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से विवि से संबद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक के साथ बैठक की। प्राचार्यों द्वारा बताया गया कि कॉलेजों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं पिछले दो सप्ताह से संचालित की जा रही हैं। इनमें छात्र-छात्राओं को जूम एप, स्काइप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ई-मेल, व्हाट्सएप एवं वेबसाइट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

प्राचार्यों ने कहा कि राज्य सरकार और कुलाधिपति द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा। कुलपति ने उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वैच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए गए योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की। कुलपति ने प्राचार्यों को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कोविड-19 के कारण प्रभावित अर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया। कुलपति ने कहा कुछ शिक्षकों का कहना था कि ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था में समय लगेगा। ऐसे में सभी जान लें कि कैंपस में भी 90 फीसदी शिक्षक कॉलेजों से ही आए हैं। वह भी लॉकडाउन के तुरंत बाद से ही ऑनलाइन पढ़ाई करा रहे हैं। प्रत्येक कॉलेज में छिपी हुई प्रतिभाएं हैं, उनसे ऐसे समय में काम लें।

Contd.....

ऑनलाईन शिक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी

वीडियो कांफ्रेंस

- चौधरी चरण सिंह विवि के कुलपति ने कालेज के प्राचार्यों के साथ की बैठक
- छात्र-छात्राओं को जूम, स्काइप, मेल आदि से दी जा रही है शिक्षा

मेरठ, लोकसत्य

महाविद्यालयों के प्राचार्यों से वार्ता करते कुलपति डा. एनके तनेजा। लोकसत्य

मंगलवार को 12.00 बजे कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत सीसीएस विवि के कुलपति की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से विवि से सम्बद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक की एक बैठक आहूत की गयी, जिसमें कुलपति ने विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति जानी। इस पर कुलपति को अवगत कराया कि सभी महाविद्यालयों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन कक्षाऐं पिछले दो सप्ताह से लगातार संचालित करने के साथ-साथ छात्र/छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि पर ऑनलाईन लैक्चर, ई-मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है।

कुलपति ने द्वारा उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वैच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्यों को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान करने के लिये प्रेरित किया। कुलपति महोदय द्वारा कोविड-19 के कारण प्रभावित/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया गया। कुलपति महोदय ने महाविद्यालयों के सभी प्राचार्यों से अनुरोध किया कि अपने महाविद्यालय के शिक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होने हेतु निर्देशित करें।

साथ ही सभी समस्त प्राचार्यों को यह भी निर्देशित किया कि अपनी ई-मेल एवं व्हाट्स एप प्रतिदिन चैक करें जिससे विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों का ससमय पालन किया जा सके, भविष्य में ई-मेल, व्हाट्स एप एवं वेबसाईट को ही महाविद्यालय से पत्राचार हेतु प्रयोग किया जायेगा।

ऑनलाइन पढ़ाई को सफल बनाएं कॉलेज

आह्वान

- कुलपति ने राजकीय व अनुदानित कॉलेजों के प्राचार्यों संग की वार्ता
- प्राचार्य बोले - पिछले दो सप्ताह से ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं शिक्षक

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका के चलते लॉकडाउन जारी है। कॉलेज और विश्वविद्यालय की पढ़ाई ठप हो गई है। लॉकडाउन में घर बैठे छात्रों तक शिक्षक ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से पहुंच रहे हैं। पिछले दो सप्ताह से मेरठ और सहारनपुर मंडल के कुछ कॉलेजों के शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं चलाकर छात्रों को पढ़ा रहे हैं। मंगलवार को चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने सभी राजकीय और अनुदानित कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन पढ़ाने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कॉलेज ऑनलाइन पढ़ाई कर छात्रों के नुकसान को पूरा करने में सहयोग करें।

कुलपति ने विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों से ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के विषय में जानकारी ली व उसकी प्रगति को देखा। कई महाविद्यालयों के शिक्षक छात्र-छात्राओं को जूम एप, स्काईप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ईमेल, वाट्सएप और वेबसाइट के माध्यम से ई-कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। कॉलेजों के प्राचार्य ने आश्वस्त किया कि इस समय की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश शासन, कुलाधिपति और कुलपति के सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। कुलपति ने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी से कॉलेजों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अपने वेतन से स्वैच्छिक कटौती और मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए गए योगदान के विषय में जानकारी भी मांगी।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पढ़ाने की ऑनलाइन प्रक्रिया की समीक्षा करते कुलपति प्रो. एनके तनेजा • सौ. विवि

मूल्यांकन में सहयोग करें शिक्षक

कोरोना की वजह से विवि की परीक्षा और मूल्यांकन दोनों पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए कुलपति ने सभी प्राचार्यों से कहा है कि मूल्यांकन का कार्य जब शुरू होगा, उस समय वे शिक्षकों को अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिए निर्देशित करें, जिससे मूल्यांकन के कार्य को तेजी से किया जा सके।

ऑनलाइन होंगे पत्राचार

कुलपति ने सभी प्राचार्यों से कहा है कि वे अपनी ई-मेल और वाट्सएप हर दिन देखते रहें। जिससे विश्वविद्यालय से जो निर्देश दिए जा रहे हैं, उनका समय से पालन हो सके। कुलपति ने यह भी कहा कि भविष्य में कॉलेजों से पत्राचार का माध्यम ई-मेल, वाट्सएप और वेबसाइट को ही रखा जाएगा।

सीसीएसयू के लेक्चर अब ईमेल, वाट्सएप व फोन पर

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन में चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय के शिक्षक धीरे-धीरे ईमेल, वाट्सएप और फोन पर आने लगे हैं। सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी करने के लिए वे पूरा शेड्यूल भी तैयार कर रहे हैं। मंगलवार को भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष ने अपने विभाग का शेड्यूल बनाकर सीसीएसयू की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। इसमें सात दिन का शेड्यूल तैयार किया गया है। हर दिन विश्वविद्यालय के शिक्षक दो लेक्चर तैयार कर छात्रों को ईमेल, वाट्सएप या फोन पर कॉल कर उपलब्ध कराएंगे। एमएससी फोर्थ सेमेस्टर, सेकेंड सेमेस्टर के अलावा एमफिल के छात्रों के लिए यह शेड्यूल तैयार किया गया है। चौ. चरणसिंह विवि में फिजिक्स के छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर अपना शेड्यूल देख सकते हैं।

Contd.......

कैंपस में पटरी पर ऑनलाइन पढ़ाई

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

लॉकडाउन में पूरी तरह से बंद चौ.चरण सिंह विवि कैंपस में डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सभी विभागों में पढ़ाई आम दिनों की तरह ही पटरी पर लौट आई है। विभागों ने प्रत्येक कक्षा के छात्र-छात्राओं से संपर्क करते हुए क्लास लेना शुरू कर दिया है। हालांकि, कॉलेजों के सभी शिक्षक डिजिटल क्लास के जरिए छात्रों से नहीं जुड़ सके हैं। चुनिंदा कॉलेजों से कुछ शिक्षकों ने ही ये क्लास शुरू की हैं।

विवि कैंपस और कॉलेजों में सर्वाधिक पढ़ाई सेमेस्टर के छात्रों की प्रभावित हो रही है। वार्षिक प्रणाली के छात्रों की परीक्षाएं चल रही हैं और उनकी क्लास पहले ही पूरी हो चुकी हैं। ऐसे में विवि का फोकस सेमेस्टर छात्रों के कोर्स को लेकर है। लॉकडाउन के बाद पढ़ाई बंद होने से विवि कैंपस सबसे पहले डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सभी छात्रों से जुड़ा हुआ है। जूम, गूगल क्लासरूम, ईमेल, व्हाट्सएप, वीडियो कांफ्रेंसिंग और सीधे फोन सहित विभिन्न माध्यमों से शिक्षक क्लास ले रहे हैं।

पत्रकारिता की क्लास भी ऑनलाइन

मेरठ। शुक्रवार को कैंपस में पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग की कक्षाएं भी ऑनलाइन शुरू हो गईं। अक्षय बैंसला के अनुसार जूम एप के जरिए ये क्लास हुई। शिक्षिका दीपिका वर्मा ने एप के जरिए क्लास लीं।

विवि की वेबसाइट पर कोरोना-19 की क्लास

मेरठ। छात्र-छात्राओं के मन में कोरोना को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देने के लिए चौ.चरण सिंह विवि ने कोरोना-19 का वीडियो सेशन ऑनलाइन कर दिया है। जागरुकता के लिए इस वीडियो में कोरोना वायरस, संक्रमण की प्रक्रिया, बचाव और जांच प्रक्रिया सहित अनेक सवालों के जवाब मिलेंगे। यह वीडियो सेशन कैंपस में मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.देव चौधरी ने तैयार किया है। 20.32 मिनट के इस वीडियो में माइक्रोबॉयोलॉजी के साथ-साथ आम स्टूडेंट भी कोरोना-19 को गहराई से जान सकेंगे। परिजन इस वीडियो को http://www.youtube.com/watch?v=rRdxZlvSOW8&feature.be लिंक पर देखकर कोरोना-19 की जानकारी हासिल कर सकते हैं।

विवि में ऑनलाइन चलेगी कक्षाएं

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मंगलवार को विवि से संबंधित मेरठ व सहारनपुर मंडल के सभी राजकीय व अनुदानित कॉलेजों के प्राचार्यों की एक ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान विवि कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन की परिस्थितियों पर चर्चा की वहीं ऑनलाइन शिक्षण कार्य शुरू न करने वाले कॉलेजों के प्राचार्यों पर नाराजगी भी व्यक्त की। क्योंकि कुलपति के बार-बार निर्देश देने के बाद भी इसमें कोई प्रगति नहीं हुई है। प्रो. एनके तनेजा ने कहा कि जब तक लॉकडाउन रहेगा

शासन के आदेशों का पालन न करने वाले कॉलेजों पर होगी सख्त कार्रवाई

तब तक सभी कॉलेजों के शिक्षकों को छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करनी होगी। वहीं उन्होंने प्राचार्यों को जूम एप और स्काइप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ई-मेल, वाट्सऐप एवं वेबसाइट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वहीं बैठक में सेमेस्टर परीक्षाओं पर भी चर्चा की गई और सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया कि वह महाविद्यालयों के शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य के सम्मलित होने के लिए तैयार करे। सभी प्राचार्य और शिक्षक अपना ई-मेल और वाट्सऐप प्रतिदिन चेक करे। क्योंकि इसे भविष्य में पत्राचार के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

विवि कुलपति ने अवगत कराया कि प्रदेश सरकार द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का सभी को पालन करना होगा। पालन करने वाले कॉलेजों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रो. एनके तनेजा ने बैठक के दौरान समस्त महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती पर मुख्य मंत्री राहत कोष में दिए गए योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की।

ऑनलाइन कक्षाओं से सत्र पटरी पर लाने की कोशिश

यूजीसी ने कहा विश्वविद्यालयों के सत्र में नहीं होगी देरी

एकेडमिक कैलेंडर तैयार करने के लिए गठित की गई कमेटी

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन की वजह से प्रदेशभर के सभी विवि में चल रही रेगुलर और प्राइवेट की परीक्षाएं स्थगित होने की वजह से छात्र परेशान हैं, क्योंकि उन्होंने अधिकांश विषयों की परीक्षा के लिए तैयारी पहले से ही कर के रख ली थी। अब लॉकडाउन की अवधि को बढ़ता देख छात्रों में परीक्षा को लेकर असमंस की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मगर प्रदेश भर के विवि का नया सत्र प्रभावित न हो इसके लिए यूजीसी ने एक गाइड लाइन जारी कर कहा है कि कोरोना वायरस का सत्र पर परीक्षा पर किसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि सभी विवि व उनसे संबंधित कॉलेजों में इस समय जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जो सत्र शुरू होने पर काम आएगी। ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से लॉकडाउन के समय को कवर कर लिया जाएगा। ताकि सत्र शुरुवात में परेशानी न हो सके। वहीं यूजीसी ने नया एकेडमिक कैलेंडर तैयार करने के लिए एक कमेटी भी गठित कर दी है। कमेटी की जिम्मेदारी होगी कि नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया और फिर सिलेबस को समय से पूरा कराए। ताकि अगले सत्र की परीक्षाएं प्रभावित न हो सकें।

इसके लिए गर्मियों की छुट्टियों में कटौती की जा सकती है। विवि प्र कुलपति प्रो. बाई विमला का कहना है कोरोना वायरस का असर शिक्षण कार्य प न पड़े इसके लिए यूजीसी ने पढ़ाई के लिंक भी जारी किए है। लिंक की जानका सभी कॉलेजों को भेज दी गई हैं, ताकि वह लिंक छात्रों तक पहुचा सकें। यूजीसी की ओर से जारी किए गए लिंक के माध्यम से छात्र-छात्राएं घर पर ही आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

वेबसाइट पर अपलोड किया पाठ्यक्रम

मेरठ: एनएस पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीरी राकेश के निर्देशानुसार रविवार को कॉलेज में संचालित विभिन्न विषयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं को अध्ययन कार्य के लिए प्रयोग में आने वाले पाठ्यक्रम को कॉलेज की अधिकारिक वेबसाइट एनएएस कॉलेज डॉट ओ आरजी पर ई-कंटेंट के अंतर्गत अपलोड कर दिया गया है।

यह पीजी द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी विषयों के कोर्स से संबंधित पाठ्य सामग्री शिक्षक व शिक्षिकाओं के अध्ययन के लिए अपलोड की गई है। इतना ही नहीं छात्र-छात्राएं कॉलेज की अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विषय से संबंधित पाठ्य सामग्री का अनिवार्य रुप से अध्ययन कर सकते है। लॉकडाउन को देखते हु अध्यापन कार्य को निरंतर जारी रखने उद्देश्य से आनलाइन अध्ययन की व्यवस्था कॉलेज प्राचार्य के निर्देशानुस की गई है।

अभी तक कालेज की वेबसाइट विभिन्न विषयों के कुल 213 व्याख्या अपलोड किये जा चुके हैं। भविष्य में आवश्यकतानुसार इसी प्रकार ऑनलाइ अध्ययन कार्य के लिए छात्र-छात्राओं अधिकारिक संख्या में जोड़ा जाएगा औ अध्ययन के लिए आवश्यक सामग्री कॉलेज वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

जूम एप के जरिए छात्रों को जोड़कर हो रही पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस के छात्र-छात्राओं की सेमेस्टर पढ़ाई का नुकसान न हो, इसको लेकर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हो गई है। शिक्षक कई एप का सहारा लेकर छात्र-छात्राओं को पढ़ा रहे हैं। कैंपस के फिजिक्स विभाग के सभी शिक्षकों ने ऑनलाइन पढ़ाए जाने की सामग्री भी लाइब्रेरी में उपलब्ध करा दी है।

सीसीएसयू कैंपस के फिजिक्स विभागाध्यक्ष प्रो. वीरपाल सिंह और प्रोफेसर अनिल कुमार मलिक जूम एप के जरिए छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं। शिक्षकों की तरफ से छात्रों को लेक्चर की पीडीएफ फाइल या पावर प्वाइंट फार्मेट में भेज दी जाती है। इसके तीसरे दिन छात्रों को निर्धारित समय पर जूम एप का एक लिंक भेजा जा रहा है। इसमें शिक्षक ग्रुप एडमिन की भूमिका में रहते हैं। छात्र निर्धारित समय पर इसको ज्वाइन कर लेते हैं।

मंगलवार को दोनों शिक्षकों ने एप के जरिए ऑनलाइन विद्यार्थियों को उनके सवालों के

जवाब दिए। लेक्चर पढ़ने के बाद विद्यार्थी उससे संबंधित सवाल पूछ सकते हैं। प्रो. वीरपाल सिंह ने बताया कि जूम एप पर लिंक भेजे जाने के बाद दर्जनों छात्र लैपटॉप या मोबाइल पर ऑडियो-वीडियो से जुड़ जाते हैं। लैपटॉप पर आप अपनी स्क्रीन पर लिखी सामग्री दूसरों को भी शेयर कर सकते हैं। इस एप पर लॉगइन का एक सेशन 40 मिनट का होता है। इसके बाद इसे दोबारा लॉगइन करना होता है।

प्रो. अनिल कुमार मलिक का कहना है कि फिजिक्स में एमएससी, एमफिल और पीएचडी के छात्रों को इस एप से पढ़ाई शुरू करा दी गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. वीरपाल सिंह ने बताया कि उनके विभाग के सभी शिक्षकों ने विवि प्रशासन द्वारा मांगे गए ई-कंटेंट को भी लाइब्रेरी में उपलब्ध करा दिया है।

सीसीएसयू के शिक्षकों ने ऑनलाइन के विभिन्न तरीकों से शुरू की पढ़ाई

कक्षा का माहौल तो नहीं, लेकिन कुछ तो फायदा होगा

ऑनलाइन एप के जरिए इस तरह पढ़ाई से कक्षा का माहौल तो नहीं बन पाएगा, लेकिन जिस तरह से कोरेना महामारी के कारण देश पर मुसीबत है, ऐसे में छात्र-छात्राओं को इसका कुछ फायदा जरूर मिलेगा। कैंपस में दूसरे शिक्षक भी ऑनलाइन के विभिन्न तरीकों को अपनाकर पढ़ाई करा रहे हैं।

लंबा चला लॉकडाउन तो होगी ऑनलाइन परीक्षा

फाउंडेशन कोर्स की परीक्षाएं न हों

डीयू में उठ चुकी है फाइनल ईयर के पेपर की मांग

सुविधा : वेबसाइट से डाउनलोड करें छात्र कोर्स का ई-कंटेंट

सीसीएसयू

जूम एप से इकोनॉमिक्स की क्लास तय

राहत : ऑनलाइन शुरू हुई बीएड की क्लास

टेलीग्राम ब्रॉडकास्ट ग्रुप पर ज्वाइन करें

डाउनलोड किया आरोग्य सेतु

घर पर ऑनलाइन क्लास ले रहे विद्यार्थी

मेरठ। लॉकडाउन के बाद लगा कि अब कैसे होगा? पढ़ाई कैसे करेंगे। ऐसे तो फेल हो जाएंगे। ये तमाम सवाल परेशान कर रहे थे। ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हुई तो एक-दो दिन बड़ा अजीब लगा। लेकिन अब तो अच्छा फील हो रहा है। जैसे कैंपस में क्लास के लिए पूरे तैयार होकर जाते थे। वैसे ही अब घर पर क्लास से एक घंटा पहले तैयार हो जाते हैं। यह कहना है कि सीसीएसयू कैंपस में पीएचडी, एमफिल और एमएससी फिजिक्स कर रहे छात्र-छात्राओं का। सोमवार को कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने सभी विभागाध्यक्षों से इसको लेकर छात्रों के विचार जानने के निर्देश दिए थे।

ऑनलाइन मदद लेते हैं

सीसीएसयू से फिजिक्स में पीएचडी कर रही हूं। लॉकडाउन हुआ तो अचानक लगा कि रिसर्च कैसे होगी। शिक्षकों ने बताया कि प्रेक्टिकल वर्क बाद में कर लेना। इस समय राइटिंग का काम पूरा कर लो। समस्या होती है तो शिक्षक ऑनलाइन मदद करते हैं। अच्छा महसूस हो रहा है। **- मनिका चौधरी, मेरठ**

ईमेल से मिले लेक्चर

कैंपस में एमएससी फिजिक्स चतुर्थ सेमेस्टर में पढ़ती हूं। लॉकडाउन के बाद बड़ी टेंशन हुई कि पढ़ाई कैसे पूरी होगी। शिक्षक ने ईमेल से लेक्चर भेजे तो समझ में आने लगा। जूम क्लास होती है तो अब एक घंटे पहले ही कैंपस जाने की तरह तैयार हो जाती हूं। **- लविस्ता त्यागी, गढ़मुक्तेश्वर**

घर पर अच्छे से पढ़ रहे हैं

कैंपस में एमएससी सेकेंड सेमेस्टर का छात्र हूं। मैं ग्रामीण क्षेत्र से हूं लेकिन यहां इंटरनेट चलता है। अब ऑनलाइन क्लास से पहले विभाग की तरह ही पूरी तैयारी कर लेते हैं। लॉकडाउन बढ़ गया है लेकिन हमें पढ़ाई को लेकर कोई डर नहीं है। हम घर पर बहुत अच्छे से पढ़ रहे हैं। **- नरेंद्र कुमार, गांव धंगरौला, नूरपुर बिजनौर**

छात्रों के संपर्क में हैं

कोविड-19 महामारी के लॉकडाउन अवधि के दौरान ई-सामग्री के माध्यम से छात्रों को पढ़ाना शुरू कर दिया था। भौतिकी विभाग के संकाय सदस्य छात्रों के साथ संपर्क में रहते हैं। ई-मेल के माध्यम से पीडीएफ या पीपीटी प्रारूपों में ई-सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। विभिन्न एप के साथ यूजीसी द्वारा दिए गए लिंक से भी डाटा लेकर छात्रों को भेजा जा रहा है। कोशिश है कि छात्रों को घर पर ही कैंपस की तरह पढ़ाई कराई जाए। **-प्रोफेसर वीरपाल सिंह, विभागाध्यक्ष भौतिकी विभाग, सीसीएसयू मेरठ**

कोरोना के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रभावों पर हुआ देशव्यापी मंथन

मेरठ। श्री वेंकटेश्वरा विवि एवं विम्स मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आंबेडकर जयंती पर कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए डिजिटल सेमिनार का आयोजन हुआ। इस दौरान लॉकडाउन के आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रभावों पर देशव्यापी मंथन हुआ। शुभारंभ कुलाधिपति डॉ. सुधीर गिरी ने शुभारंभ किया। इस दौरान यूजीसी के रेग्युलर व मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वेलुएकेर, श्रीश्री विवि कटक के कुलपति प्रो. एके सिंह समेत देश के 272 से ज्यादा शिक्षविदों, कुलपतियों, अर्थशास्त्रियों और समाजशास्त्रियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं के ऑनलाईन एजूकेशन के अनुभव

V-C : Share experience of taking online classes

CORRESPONDENT ■ MEERUT

Chaudhary Charan Singh University (CCSU) Vice-Chancellor Professor Narendra Kumar Taneja said that in view of the nationwide lockdown to check the spread of novel coronavirus study material was being made available to the students through Skype, e-mail, WhatsApp and other mediums. He has asked all the deans, all departmental heads and teachers that tell their experience about it. He has asked them what was difference in teaching the students when the university was open and now when the classes had been closed. The Vice-Chancellor has asked everyone to send their experiences in writing. He has asked them to tell their experience of taking online classes. He asked them did they face any problem in them, if not, what were their benefits. He asked them whether the students liked online classes or not. If there was any such case or a call from any student then they should share that experience in writing. It may be pointed out here that online classes were started by many teachers of the university since March 19. The V-C had also made an appeal to the principals and teachers of all the colleges affiliated to the university that they too should ensure completion of the course through online classes and make available study material to the students through WhatsApp, e-mail etc.

कुलपति ने पूछे आनलाइन क्लासेस के अनुभव

मेरठ, लोकसत्य

व्यवस्था

- **लॉक डाउन के चलते छात्रों को दीजा रही हैं आनलाइन शिक्षा**

चौधरी चरण सिंह विवि के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को देखते हुए छात्रों को दी जा रही ऑनलाइन क्लासेस का अनुभव जाना।

उन्होंने रूम मैप, स्काइप, ईमेल, व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसके अनुभव के बारे में भी पूछा। उन्होंने पूछा, जब विश्वविद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया। कुलपति ने सभी से पूछा है कि कृपया अपने अनुभवों को लिखित रूप में भेजें और बताएं कि ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव कैसा रहा क्या इसमें कोई परेशानी आ रही है यदि नहीं आ रही है तो इसके फायदे क्या क्या है छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा का फोन आया हो तो उस अनुभव को भी लिखित रूप में शेयर करें। बता दें कि 19 मार्च से विवि के अनेक शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन क्लासेस शुरू कर दी गई थी। कुलपति ने विवि से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।

डा. एनके तनेजा ने लिखित में मांगे डीन, शिक्षकों के अनुभव

मेरठ। सीसीएसयू के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने सभी डीन, विभागाध्यक्षों व शिक्षकों से लॉक डाउन में छात्रों को पढ़ाने के अनुभवों को लिखित में मांगा है। उन्होंने पूछा है कि कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को रूम मैप स्काइप ईमेल व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसका अनुभव कैसा है, जब विश्वविद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया। कुलपति ने सभी से पूछा है कि अपने अनुभवों को लिखित रूप में भेजें। छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा का फोन आया हो तो उस अनुभव को भी लिखित रूप में शेयर करें। बता दें कि कुलपति ने विवि से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि माध्यमों से लिखित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।

ऑनलाइन शिक्षा को लेकर कुलपति ने मांगे शिक्षकों से सुझाव

❑लिखित में डीन, शिक्षक करेंगे अनुभव साझा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन, सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों से पूछा है कि कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को रूम मैप स्काइप ईमेल व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसका अनुभव कैसा है जब विश्व विद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र-छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया। कुलपति ने सभी से पूछा है कि कृपया अपने अनुभवों को लिखित रूप में भेजें और बताएं कि ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव कैसा रहा क्या इसमें कोई परेशानी आ रही है यदि नहीं आ रही है तो इसके फायदे क्या-क्या है छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा का फोन आया हो तो उस अनुभव को भी लिखित रूप में शेयर करें। बता दें कि 19 मार्च से विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन क्लासेस शुरू कर दी गई थी माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि माध्यमों से लिखित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।

विवि का ऑनलाइन कक्षाओं पर जोर, वीसी खुद करेंगे समीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को जारी की गई गाइड लाइन में सभी विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में ऑनलाइन पढ़ाई पर जोर दिया गया है। तीन मई तक ही नहीं शिक्षण संस्थान उसके आगे तक भी बंद रह सकते हैं। ऐसे में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई का नुकसान न हो, इसको लेकर सीसीएसयू के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने स्पष्ट कर दिया है कि लगातार कैंपस और कॉलेजों में ऑनलाइन पढ़ाई की समीक्षा की जाएगी। जूम एप के जरिए वे खुद शिक्षकों के साथ बैठक करेंगे।

कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन की अवधि फिर से बढ़ा दी गई है। तीन मई तक तो शिक्षण संस्थान बंद ही हैं, लेकिन इस अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। बुधवार को जो नई गाइड लाइन जारी की गई है कि उसमें ऑनलाइन पढ़ाई पर ओर ध्यान देने की बात कही गई है। ऐसे में कैंपस-कॉलेजों के बंद होने से प्रभावित हो रही पढ़ाई को पटरी पर लाने के लिए सीसीएसयू के वीसी प्रयासरत हैं। पहले चरण में कुलपति की इसको लेकर कैंपस के डीन व विभागाध्यक्षों से बात हो चुकी है। दूसरे चरण में राजकीय-एडेड कॉलेज के प्राचार्यों से जूम एप के माध्यम से मीटिंग हो चुकी है। बुधवार को कुलपति ने स्पष्ट किया कि सेमेस्टर सिस्टम का कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षकों से बातचीत करेंगे। किस प्रकार से सभी विषयों का कोर्स पूरा कराया जा सकता है। कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षक किस-किस माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। इन तमाम बातों की लगातार वह शिक्षकों के साथ वीडियो मीटिंग में समीक्षा करेंगे। इसको लेकर कैंपस के शिक्षकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। दूसरा ग्रुप डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों का बनाया गया है।

जूम एप के जरिए शिक्षकों के साथ बैठक करेंगे कुलपति

सेमेस्टर परीक्षा को लेकर होगी बात, कोर्स जल्द पूरा करने पर किया जाएगा विचार-विमर्श

आरजी कॉलेज में यौगिक साइंस की ऑनलाइन कक्षाएं

मेरठ। आरजी पीजी डिग्री कॉलेज के यौगिक साइंस विभाग में प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा के आदेश पर कोऑर्डिनेटर नीना बत्रा के निर्देशन में ऑनलाइन कक्षाएं बीते पांच दिन से शिक्षिका प्रीति बंसल द्वारा संचालित की जा रही हैं। उपरोक्त कक्षाओं में पाठ्यक्रम से संबंधित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विषय पढ़ाए जा रहे हैं। साथ ही योग के प्रैक्टिकल में कोरोना से बचने के आसन व प्राणायाम का भी लगातार अभ्यास कराया जा रहा है। छात्राएं भी उत्साह से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हो रही हैं।

स्टडी मैटीरियल वेबसाइट पर कराएं उपलब्ध

जूम एप और व्हाट्सएप और ईमेल आईडी के अलावा विवि प्रशासन ने सभी कॉलेजों को उनकी वेबसाइट पर भी लेक्चर उपलब्ध कराने को कहा था। अभी कुछ ही कॉलेजों ने वेबसाइट पर लेक्चर अपडेट कराए हैं। इसको लेकर बुधवार को रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार वर्मा की तरफ से सभी कॉलेजों को निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें पूछा गया है कि ऑनलाइन लर्निंग ग्रुप प्लेटफार्म के जरिए जैसे गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, माइक्रोसॉफ्ट टीम और जूम एप के किस माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। कॉलेजों ने कितने लेक्चर वेबसाइट पर अपलोड किए हैं। इन सभी की संख्या प्रमाण के साथ देने को कहा गया है। दो दिन के भीतर यह जानकारी देने को कहा गया है।

जब चाहें तब पढ़ने की सुविधा है यहां

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन में कॉलेज और विश्वविद्यालय सब बंद हैं तो घर बैठे चौधरी चरण सिंह विवि के छात्र- छात्राओं के लिए आनलाइन पढ़ाई वरदान साबित हो रही है। शहर से गांव तक घरों में बैठे छात्र- छात्राएं अपनी सुविधा के अनुसार पढ़ाई में जुटे हैं। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र- छात्राओं को समय की बाध्यता भी नहीं है। वह अपने हिसाब से ऑनलाइन क्लास का समय निर्धारित कर रहे हैं। शिक्षक भी उन्हें उसी के अनुरूप समय दे रहे हैं। आनलाइन पढ़ाई का छात्र- छात्राओं ने अच्छा अनुभव बताया है। हां नेटवर्क के चलते उन्हें तकनीकी दिक्कत का जरूर सामना करना पड़ रहा है।

हर रोज दो घंटे हो रही पढ़ाई

एमएससी सेकेंड सेमेस्टर के छात्र नरेंद्र कुमार का कहना है कि एक अप्रैल से जूम एप से शिक्षक पढ़ा रहे हैं। एक दिन पहले शेड्यूल मिल जाता है। हर रोज दो घंटे की पढ़ाई आनलाइन हो रही है। चौबी यूनिट पूरी हो गई है। क्लास की तरह ही चल रहा है। हम अपने हिसाब से यहां लेक्चर का समय निर्धारित कर लेते हैं। आनलाइन नोट्स भी मिल रहे हैं।

आनलाइन हो रही अच्छी पढ़ाई

एमफिल के छात्र अजय कुमार बताते हैं कि कक्षा की तरह आनलाइन पढ़ाई भी है। जब भी छात्र उपलब्ध होते हैं, हम लेक्चर सुन लेते हैं। जो सवाल समझ में नहीं आता है, उसे तुरंत पूछ भी लेते हैं। नोट्स मिलने की वजह से हम पहले पढ़ लेते हैं। गांव में नेटवर्क की वजह से बीच में दिक्कत जरूर आ रही है।

शाम को मिलता है समय

एमए चौथे सेमेस्टर के छात्र शुभम सिंह बताते हैं कि आनलाइन घर बैठे पढ़ाई हो रही है। पीडीएफ में नोट्स मिल रहा है। ग्रुप पर शिक्षक पढ़ाने का शेड्यूल भेजते हैं। यहां हम शाम को भी पढ़ लेते हैं। विश्वविद्यालय में कक्षा चलने के दौरान यह सुविधा नहीं मिलती थी। घर बैठे आनलाइन पढ़ाई से तैयारी भी हो रही है। सभी कंटेंट ईमेल पर मिल रहा है। बस नेटवर्क की दिक्कत है।

किताबें-नोट्स रह गए थे विश्वविद्यालय के हॉस्टल में, ऑनलाइन मिले नोट्स

चौ. चरण सिंह विवि में बीए आनर्स की छात्रा सोनल शर्मा को हॉस्टल छोड़कर घर जाना पड़ा। सोनल कहती हैं कि सारी किताबें और नोट्स हॉस्टल में ही छूट गए थे। ऑनलाइन पढ़ाई से सारी चिंता दूर हो गई। जूम एप पर शिक्षक अर्थशास्त्र के हर टॉपिक पर लेक्चर देते हैं। पीडीएफ में एक दिन पहले ई-कंटेंट भी मिल जाता है। इसे पढ़ने के बाद ऑनलाइन लेक्चर सुनते हैं। हालांकि क्लासरूम का विकल्प नहीं है। नेटवर्क की समस्या जरूर व्यवधान डाल रही है।

सीसीएसयू ने मांगी रिपोर्ट- कैसी रही ई-क्लास, बताएंगे शिक्षक

मेरठ। लॉकडाउन के बाद कैंपस और कॉलेजों में बदले पढ़ाई के तरीके पर शिक्षक अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को कोर्स पूरा कराने के लिए क्या-क्या किया और उनका फीडबैक क्या रहा इसकी सभी विभागों को रिपोर्ट देनी होगी। शिक्षकों को ऑनलाइन टीचिंग में आ रही परेशानियों को भी रिपोर्ट करना होगा ताकि इसमें सुधार किया जा सके।

लॉकडाउन से पहले भले ही छात्र और शिक्षक ऑनलाइन टीचिंग को तैयार नहीं थे, लेकिन कोरोना से उत्पन्न स्थितियों में पढ़ने-पढ़ाने के तरीके बदल गए। इसमें कुछ विभाग और शिक्षकों ने ई-कंटेंट तैयार करने में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चूंकि, लॉकडाउन लंबा चलने की उम्मीद है ऐसे में विवि ने कैंपस एवं कॉलेजों से ऑनलाइन क्लास चलाने और छात्रों को भेजे गए ई-कंटेंट भेजने पर रिपोर्ट मांगी है। कुलपति प्रो.एनके तनेजा के अनुसार कॉलेज एवं शिक्षक इस पर रिपोर्ट तैयार करें। शिक्षकों को हर हाल में ई-कंटेंट वेबसाइट पर अपलोड करना है। एचओडी प्रो.वीरपाल के अनुसार इस अवधि में छात्रों को पीपीटी, व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए कंटेंट भेजा है जबकि संपर्क करने के लिए फोन, वीडियोकॉल, जूम और गूगल क्लासरूम का सहारा लिया।

प्रोफेसरों से ऑनलाइन पढ़ाने के अनुभव जाने

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन, सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, एवं शिक्षकों से ऑनलाइन पढ़ाई की अनुभव पूछे। जिसमें कि उन्होंने पूछा है कि कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को रूम मैप स्काइप ईमेल व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसका अनुभव कैसा है । और जब विश्वविद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया। कुलपति ने शिक्षकों से कहां की अनुभवों को लिखित रूप में भेजें और बताएं कि ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव कैसा रहा। इसके फायदे क्या क्या है छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं इसकी जानकारी की।

कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण

कुलपति ने शिक्षकों से मांगे आन लाइन शिक्षण के अनुभव

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन, सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों से पूछा है कि कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को रूम मैप स्काइप ईमेल व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसका अनुभव कैसा है। उन्होंने अपने पत्र के जरिए पूछा है कि विश्वविद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया? कुलपति ने यह भी पूछा है कि कृपया अपने अनुभवों को लिखित रूप में भेजें और बताएं कि ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव कैसा रहा क्या इसमें कोई परेशानी आ रही है यदि नहीं आ रही है तो इसके फायदे क्या क्या है? छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा का फोन आया हो तो उस अनुभव को भी लिखित रूप में शेयर करें। बता दें कि 19 मार्च से विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन क्लासेस शुरू कर दी गई थी माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि माध्यमों से लिखित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।

भौतिकी विभाग ने साझा किये अपने अनुभव

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। भौतिकी विभाग के प्रमुख बीर पाल सिंह ने अपने अनुभव में कहा है कि भौतिकी विभाग के संकाय सदस्यों ने कोविड-19 महामारी के लॉकडाउन अवधि के दौरान ई-सामग्री के माध्यम से छात्रों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। प्रारंभ से ही, परिसर में कक्षाएं बंद करने की घोषणा के दौरान से भौतिकी विभाग के संकाय सदस्य छात्रों के सतत संपर्क में रहते हैं और व्यक्तिगत रूप से एम.फिल के छात्रों को पाठ्यक्रम के व्याख्यान भेजने का निर्णय लेते हैं। बताया कि सेमेस्टर और एम.फिल. सेमेस्टर के छात्रों को उनके व्यक्तिगत ई-मेल के माध्यम से पीडीएफ या पीपीटी प्रारूपों में ई-सामग्री प्रेषित करते हैं। हम विभाग के सभी छात्रों के ई-मेल एकत्र करते हैं, हालांकि पहले से ही विभाग के छात्रों के व्हाट्सएप समूह मौजूद हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने पीडीएफ / पीपीटी प्रारूप में अपने व्याख्यान नोट्स तैयार किए और संबंधित छात्रों को मेल किए। इसके साथ ही, हमारे संकाय सदस्य छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप पर इसकी जानकारी डालकर प्रत्येक छात्र को ई-मेल के वितरण की पुष्टि करते हैं और उन्हें इन नोट्स को सीखने और मेल / फोन के माध्यम से चर्चा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कुलपति ने पूछे आनलाइन क्लासेस के अनुभव

मेरठ, लोकसत्य

चौधरी चरण सिंह विवि के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को देखते हुए छात्रों को दी जा रही ऑनलाइन क्लासेस का अनुभव जाना।

उन्होंने रूम मैप, स्काइप, ईमेल, व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से जो अध्ययन सामग्री छात्र व छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही है उसके अनुभव के बारे में भी पूछा। उन्होंने पूछा, जब विश्वविद्यालय खुल रहा था तब छात्रों को पढ़ाना और अब जब क्लासेस बंद हैं तो छात्र छात्राओं को पढ़ाने में क्या अंतर अनुभव किया। कुलपति ने सभी से पूछा है कि कृपया अपने अनुभवों को लिखित रूप में भेजें और बताएं कि ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव कैसा रहा क्या इसमें कोई परेशानी आ रही है यदि नहीं आ रही है तो इसके फायदे क्या क्या है छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा का फोन आया हो तो उस अनुभव को भी लिखित रूप में शेयर करें। बता दें कि 19 मार्च से विवि के अनेक शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन क्लासेस शुरू कर दी गई थी। कुलपति ने विवि से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।

व्यवस्था

- **लॉकडाउन के चलते छात्रों को दी जा रही हैं आनलाइन शिक्षा**

शिक्षकों से ऑनलाइन कक्षाओं को पढ़ाने का कुलपति ने मांगा अनुभव

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

मेरठ। सोमवार को विवि के कुलपति प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों से कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को जूम एप स्काइप ईमेल व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाने एवं छात्रों को स्कूलों में पढ़ाने और ऑनलाइन पढ़ाने के अंतर के अनुभव के बारे में पूछा है।

कुलपति प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी से अनुभवों को लिखित रूप में भेजें जाने के लिए कहा है। साथ ही ऑनलाइन क्लासेस लेने का अनुभव एवं परेशानी और फायदो के बारे में भी जानकारी मांगी है। वहीं छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस अच्छी लग रही है या नहीं यदि ऐसा कोई प्रकरण या फिर किसी छात्र का अथवा छात्रा की शिकायत हो तो ऐसी शिकायत को लिखित रूप में शेयर करने के लिए कहा है। बता दें कि 19 मार्च से विवि के अनेक शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन क्लासेस शुरू करायी गई है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय से संबंध सभी कॉलेजों के प्राचार्य वह शिक्षकों से भी अपील की थी कि वह भी छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोर्स को पूरा कराएं साथ ही छात्रों को व्हाट्सएप ईमेल आदि माध्यमों से लिखित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कहा था।

लॉकडाउन में बदल गया पढ़ाने का तरीका

वाट्सएप व जूम एप के जरिए छात्रों को पढ़ा रहे हैं शिक्षक, नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन ने उच्च शिक्षा में पढ़ने और पढ़ाने का तरीका बदल दिया है। चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के शिक्षक वर्क फ्रॉम होम में घर बैठे छात्र-छात्राओं को वाट्सएप, जूम एप और वर्चुअल क्लास के माध्यम से पढ़ा रहे हैं। छात्रों से ई-मेल पर सवाल पूछ रहे हैं। उनका जवाब भी दे रहे हैं। शिक्षक ऑनलाइन पढ़ाकर कोर्स पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं को घर बैठे ई-कंटेंट मिल रहा है। इस ऑनलाइन पढ़ाई में तकनीक सबसे बड़ी दिक्कत पैदा कर रही है। ऑनलाइन पढ़ाने के दौरान नेटवर्क कमजोर होने से पढ़ाई का तालमेल बिगड़ रहा है। दैनिक जागरण से बातचीत में शिक्षकों ने माना कि इससे उच्च शिक्षा की दशा व दिशा बदलेगी।

क्वालिटी कंटेंट को लेकर चिंता

सीसीएसयू में अर्थशास्त्र विभाग में शिक्षक वाट्सएप ग्रुप बनाकर और जूम एप के जरिए बीए आनर्स, एमए और एमफिल के छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं। इनमें सप्ताहभर का शेड्यूल तैयार किया जा रहा है, जिसे छात्र- छात्राओं को वाट्सएप ग्रुप पर भेजा जा रहा है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी शेड्यूल अपलोड है। शिक्षक टॉपिक के हिसाब से छात्रों को ई-कंटेंट भेजते हैं। फिर ई-मेल पर उनके सवालों के जवाब दिए जाते हैं। विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार रोज को सभी छात्रों से ऑनलाइन पढ़ाई का फीडबैक भी ले रहे हैं। क्वालिटी कंटेंट अभी तैयार नहीं हो पा रहा है। इसकी चिंता हो रही है। तकनीकी दिक्कत भी है, शिक्षक के मुकाबले छात्र इसमें कहीं आगे हैं। उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अध्यापन के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग की भी जरूरत है।

प्रो. दिनेश कुमार ●

अनुसंधान के लिए अच्छा विकल्प

सीसीएसयू में भौतिक विज्ञान विभाग में एमएससी और एमफिल के छात्रों को 19 मार्च से ही ऑनलाइन पाठ्य सामग्री भेजी जा रही है। विभाग के शिक्षक छात्रों को ई-मेल से पीडीएफ और पीपीटी के फार्मेट में पाठ्य सामग्री और नोट्स भेजते हैं। कुछ दिन से छात्रों को जूम क्लाउड मीटिंग के माध्यम से जोड़ दिया गया है। इसमें सभी छात्रों को वाट्सएप ग्रुप पर जूम क्लास का शेड्यूल दिया जाता है। जूम पर छात्रों को शिक्षक 40 मिनट का लेक्चर देते हैं। विभाग के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह बताते हैं कि 40 मिनट ऑनलाइन लेक्चर के बाद दो-तीन सत्र और चलाए जाते हैं। शिक्षण और अनुसंधान के लिए ऑनलाइन पढ़ाना एक अच्छा विकल्प है। हालांकि नेटवर्क की समस्या की वजह से कई बार एक-दूसरे की आवाज सुनाई नहीं देती है। इसलिए वास्तविक कक्षा से यह बेहतर नहीं है।

प्रो. बीरपाल सिंह ●

प्रयोगात्मक कार्य में अवरोध

सीसीएसयू के जंतु विज्ञान में एमएससी और एमफिल के छात्र-छात्राएं वाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। जंतु विज्ञान जैसे विषय में सैद्धांतिक पढ़ाई के साथ प्रयोगात्मक कार्य भी करने होते हैं। वाट्सएप से प्रयोगात्मक कार्य नहीं हो पा रहा है। विभाग के अध्यक्ष प्रो. एएस सिंह बताते हैं कि एमएससी और एमफिल के छात्र- छात्राओं का अलग- अलग वाट्सएप ग्रुप बनाया है। वाट्सएप के जरिए छात्रों को पीडीएफ फॉर्मेट में लेक्चर और ई-कंटेंट उपलब्ध कराया जा रहा है। छात्रों के पास जो सवाल होते हैं वह ई-मेल पर भेजते हैं, जिसका जवाब दिया जाता है। लेकिन, जंतु विज्ञान जैसे विषय में बहुत सारे डाइसेक्शन और प्रयोगात्मक कार्य भी होते हैं। यह काम ऑनलाइन कराना संभव नहीं है। चॉक और टॉक की जगह ऑनलाइन नहीं ले सकता है।

प्रो. एएस सिंह ●

मेरे पास किताबें नहीं हैं, कोर्स भी कंप्लीट नहीं था। तब लॉकडाउन हुआ। अब ऑनलाइन पढ़ाई का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे स्टडी मैटेरियल तो मिल जा रहा है। स्क्रीन पर ई-कंटेंट साफ दिखता नहीं है। लैपटॉप पर जूम कर पढ़ना पड़ता है। शिक्षक फोन पर हर समस्या का समाधान कर देते हैं।

पूर्णिमा, छात्रा, एमफिल

ऑनलाइन पढ़ाई में पढ़ने की सामग्री तो मिल जा रही है। सवालों का समाधान भी शिक्षक कर रहे हैं, लेकिन नेटवर्क खराब होने की वजह से बीच में आवाज कट जाती है। इसकी वजह से दिक्कत हो रही है। फिर भी पढ़ने का यह एक नया अनुभव है।

सौम्या मित्तल, एमएससी

ऑनलाइन पढ़ाई की समीक्षा कर रहे वीसी प्रो. एनके तनेजा

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के ज्यादातर विभागों ने ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी हैं। वाट्सएप और जूम एप से पढ़ाने का शेड्यूल भी जारी कर रहे हैं। मंगलवार को समाजशास्त्र विभाग ने एमफिल और एमए के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए समय सारिणी तैयार की है। इसमें 11 बजे से लेकर एक बजे तक शिक्षक ऑनलाइन छात्रों से जुड़े रहेंगे। विश्वविद्यालय के शिक्षक जहां ऑनलाइन पढ़ाने में जुटे हैं, वहीं कुलपति प्रो. एनके तनेजा इस पर पूरी निगरानी रखे हुए हैं। वे ऑनलाइन पढ़ाने को लेकर मूल्यांकन भी कर रहे हैं। शिक्षकों से उनकी फीडबैक भी ले रहे हैं। दूसरी ओर डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों से भी वेबसाइट पर अपने ई-कंटेंट अपलोड करने के लिए कहा जा रहा है, ताकि छात्रों को इस समय पाठ्य सामग्री की कमी न हो।

V-C constantly monitoring education system

CORRESPONDENT ■ MEERUT

Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh University (CCSU), Professor Narendra Kumar Taneja, was constantly monitoring the education system in the current scenario. Reports said that he spoke to all deans and heads of the department in the first phase. He also interacted with principals of government and government-aided college through the Zoom App and issued necessary guidelines during the second phase. Reports said that CCSU Vice-Chancellor, Professor Narendra Kumar Taneja would interact with the teachers on the campus through Zoom App and give them information on how to complete the course of all subjects. Thereafter he will will give them necessary guidelines to them. Earlier V-C had instructed the deans and heads of departments (HODs) and the principal of colleges to provide study materials to the students through Zoom App, Skype, WhatsApp and e-mail. He was constantly in touch deans, HODs and principals. He was seeking information about the difficulties being faced in imparting education to them being through online medium and providing solutions. A WhatsApp group of campus teachers has also been formed. The V-C will soon interact with the teachers through the Zoom App.

ईमेल पर बताएंगे विवि के शिक्षक . . . क्या पढ़ाया

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन के दौरान चौ. चरणसिंह विवि और उससे जुड़े कॉलेजों के शिक्षक छात्रों को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं। जिन कॉलेजों में सेमेस्टर की पढ़ाई हो रही है, उन सभी संस्थानों से कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने जानकारी मांगी है। रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिन में विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों को ईमेल पर सूचना देनी है।

शिक्षकों को ये सूचना देनी है

- गूगल मीट, गूगल क्लास रूम, माइक्रोसाफ्ट टीम, जूम क्लाउड एप में किस तकनीकी से ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं।
- सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अपलोड किए गए ई कंटेंट।
- ऑनलाइन के माध्यम से सेमेस्टर के कितने प्रतिशत कोर्स पूरे हुए।
- छात्रों को असाइनमेंट, टूटोरियल क्विज देने की प्रगति।
- सेमेस्टर पाठ्यक्रमों में हर दिन कितने छात्र- छात्राएं ऑनलाइन तकनीकी से पढ़ रहे हैं।

पढ़ाई पर नजर

- कुलपति ने ऑनलाइन पढ़ाई की जानकारी मांगी
- दो दिन में विवि-कॉलेज के शिक्षकों को ईमेल पर देनी होगी सूचना

जूम पर पढ़ें लाइब्रेरी साइंस

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी साइंस में एमलिब की कक्षाएं भी जूम एप पर शुरू हो गई हैं। हर दिन दो बजे से शाम पांच बजे तक ये कक्षाएं चल रही हैं। विभागाध्यक्ष डा. जमाल अहमद सिद्दीकी के साथ विभाग के शिक्षक कृष्ण कुमार व तरुण कुमार ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं। 24 छात्र इस क्लास में जुड़े हुए हैं।

व्हाट्सएप ग्रुप पर शिक्षक और कुलपति रखेंगे नजर

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

लॉकडाउन में सेमेस्टर कोर्स समय से पूरा कराने के लिए चौ.चरण सिंह विवि ने व्हाट्सएप ग्रुप तैयार कराते हुए सभी शिक्षकों को एकसाथ जोड़ दिया है। कैंपस के सभी शिक्षकों से कुलपति प्रतिदिन रिपोर्ट लेंगे। विवि ने कॉलेजों से भी लॉकडाउन में पूरा कराए गए सेमेस्टर कोर्स की रिपोर्ट मांगी है। कॉलेज अधूरे कोर्स के बारे में भी बताएंगे।

विवि को जून में सेमेस्टर परीक्षाएं करानी हैं। पूर्व में विवि एक मई से सेमेस्टर परीक्षाएं कराने की तैयारी में था, लेकिन लॉकडाउन से अब जून में ये परीक्षा प्रस्तावित हैं। चूंकि कैंपस-कॉलेजों में विभाग बंद हैं, ऐसे में विवि ने ऑनलाइन क्लास पर निगरानी शुरू कर दी है। कैंपस में सभी विभागों के शिक्षकों को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया है। कुलपति प्रो.एनके तनेजा भी इसमें शामिल रहेंगे।

कुलपति के अनुसार कैंपस और कॉलेजों में सेमेस्टर कोर्स की कक्षाओं की निरंतर समीक्षा की जाएगी। सभी कॉलेजों से अब तक पूरा कराए गए कोर्स की रिपोर्ट मांगी गई है। कैंपस और कॉलेज दोनों को यह भी बताना होगा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कैसे और कितना काम कराया है। कुलपति के अनुसार विवि निर्धारित समय से सेमेस्टर परीक्षाएं कराएगा। कुलपति के अनुसार सम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म भी जल्द ही ऑनलाइन कर दिए जाएंगे।

निगरानी

- सेमेस्टर सिस्टम को पटरी पर लाने के लिए चौ.चरण सिंह विवि कैंपस के शिक्षक व्हाट्सएप ग्रुप में, कुलपति ने की समीक्षा
- कोर्स पूरा करने के निर्देश, कॉलेजों से मांगी रिपोर्ट, अब तक सेमेस्टर का कितना कोर्स पूरा और बाकी की देनी होगी रिपोर्ट

प्राचार्यों के साथ भी मीटिंग जारी रहेगी

कुलपति सभी कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ जूम एप के जरिए निरंतर मीटिंग करेंगे। पिछले महीने भी कुलपति ने कक्षाओं को लेकर समीक्षा बैठक की थी। वे जल्द ही सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर प्राचार्यों से बात करेंगे।

छात्र/छात्राओं को लर्निंग एंड टीचिंग का लिंक उपलब्ध कराना

साझा किया एजुकेशन लिंक

सीसीएसयू के वीसी कर रहे लर्निंग एंड टीचिंग लिंक साझा

meerut@inext.co.in

MEERUT (12 April): कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में लॉकडाउन है. इस कारण सभी शैक्षणिक संस्थाएं बंद हैं. ऐसे में सीसीएसयू के वीसी प्रो. एनके तनेजा ने एमएचआरडी के एजुकेशन लर्निंग एंड टीचिंग ऐप के ब्राडकास्ट ग्रुप का लिंक टीचर्स, डीन व कॉलेजों के प्रिंसिपल को शेयर कर रहे है. साथ ही वो इस ग्रुप पर सभी को ज्वाइन करने के निर्देश दे रहे हैं. उन्होंने कहाकि सभी को एजुकेशन संबंधित सूचनाएं इसी लिंक के जरिए मिलेंगी. इसके अलावा वीसी सभी डिमार्टमेंट को जूम ऐप के जरिए क्लास अटेंड करने का निर्देश भी दे रहे हैं.

ये लिंक रहे शेयर

https:\\t.me\\GADTLC

सभी टीचर्स को लिंक शेयर किया है, इसमें टेलीग्राम ग्रुप खुलेगा, जिसपर एजुकेशन संबंधित सब्जेक्ट वाइस मैटीरियल व जानकारियां अपडेट होंगी.

प्रो. एनके तनेजा, वीसी, सीसीएसयू

सभी सब्जेक्ट की जानकारी

वीसी प्रो. एनके तनेजा की ओर से एमएचआरडी का ये एजुकेशन ऐप ब्रांड कास्ट टेलीग्राम ग्रुप का लिंक शेयर किया जा रहा है. जिसमें प्रिंसिपल्स को बताया जा रहा है कि वो किस तरह से टीचिंग में इस ऐप के जरिए मदद कर सकते हैं. वहीं स्टूडेंट को भी इसमें स्टडी मैटीरियल मिलेगा.

वीडियो कॉनफ्रेंसिंग के माध्यम से संकायाध्यक्षों / शिक्षकों / महाविद्यालय के प्राचार्यों एवं छात्र–छात्राओं से सम्पर्क

कुलपति ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ली परीक्षाओं की प्रक्रिया की जानकारी

वीडियो कान्फ्रेंसिंग

- लॉकडाउन खुलते ही विश्वविद्यालय में शुरू हो जाएगा परीक्षाओं का भंवर

कार्यालय संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू में शनिवार को ऑनलाईन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गयी। जिसमें कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों, संकायध्यक्षों, कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक ने चर्चा की।

कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा द्वारा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति जानने पर कुलपति को अवगत कराया गया कि सभी विभागों में ऑनलाईन कक्षाऐं लगातार संचालित करने के साथ.साथ छात्र-छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि पर ऑलनाईन लैक्चर, ई.मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री मेटीरियल उपलब्ध करायी जा रही है एवं उन्होने यह मत भी व्यक्त किया कि लोकडाऊन समाप्त होने के दो सप्ताह के पश्चात सेमेस्टर सिस्टम के बचे हुए पाठ्यक्रमों को कक्षाओं के माध्यम से पूरा कर लिया जायेगा तथा सेमेस्टर परीक्षाऐं अतिशिघ्र प्रारम्भ करायी जा सकेंगी।

कुलपति ने विभागाध्यक्षों को अवगत कराया कि वेसाबाईट पर उनके विषय से सम्बंधित उच्च कोटी के मैटीरियल को भी उपलब्ध कराया जा सकता है। परीक्षा नियंत्रक ने कुलपति को अवगत कराया कि लॉकडाऊन समाप्त होने के पश्चात वार्षिक प्रणाली की परीक्षाऐं 31 मई तथा सेमेस्टर परीक्षाओं के लिये 1 जून से आरम्भ कर 15 जून तक समाप्त करने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गयी हैं।

कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के शिक्षकों, अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के लिये धन्यवाद दिया गया। बैठक में चौधरी चरण सिंह विश्व विद्यालय से सम्बद्ध महा विद्यालय के प्राचार्यों का भी एक ग्रुप बनाकर शीघ्रातिशीघ्र ऑनलाईन वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आहूत कर उठाये गये कदमों पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

कुलपति ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए दिए निर्देश

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के मद्देनजर चौ.चरण सिंह विवि के कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने वीडियो कांन्फेंसिंग करके विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के स ंचालन के विषय में प्रगति जानने के बाद आवश्यक निर्देश दिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के शिक्षकों, अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के लिये धन्यवाद दिया। बैठक में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के प्राचार्यो का भी एक ग्रुप बनाकर शीघ्रातिशीघ्र ऑनलाईन वीडियो कान्फेंस के माध्यम से एक बैठक आयोजित कर कोविड-19 वायरस के चलते उत्पन्न हुयी परिस्थितियों में उनके द्वारा उठाये गये कदमों पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई कराएं शिक्षक : कुलपति

सीसीएसयू के कुलपति ने प्राचार्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। राज्य सरकार के तमाम कर्मचारी अपनी ड्यूटी के घंटों से अधिक काम कर रहे हैं। लॉकडाउन के समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई कराएं ताकि किसी भी पढ़ाई प्रभावित न हो। जिस तरह कैंपस के शिक्षक ऑनलाइन पढ़ाई में योगदान दे रहे हैं, इसी तरह कॉलेजों में काम करें। यहां भी 90 फीसदी शिक्षक कॉलेजों से ही आए हैं। यह बात मंगलवार को सीसीएसयू कैंपस में कुलपति ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों से ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग में कही।

कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को देखते हुए कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से विवि से संबद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक के साथ बैठक की। प्राचार्यों द्वारा बताया गया कि कॉलेजों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं पिछले दो सप्ताह से संचालित की जा रही हैं। इनमें छात्र-छात्राओं को जूम एप, स्काइप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ई-मेल, व्हाट्सएप एवं वेबसाइट के

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्राचार्यों के साथ बैठक लेते कुलपति प्रो. एनके तनेजा।

माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

प्राचार्यों ने कहा कि राज्य सरकार और कुलाधिपति द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा। कुलपति ने उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वैच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए गए योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की। कुलपति ने प्राचार्यों को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कोविड-19 के कारण प्रभावित अधिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया। कुलपति ने कहा कुछ शिक्षकों का कहना था कि ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था में समय लगेगा। ऐसे में सभी जान लें कि कैंपस में भी 90 फीसदी शिक्षक कॉलेजों से ही आए हैं। वह भी लॉकडाउन के तुरंत बाद से ही ऑनलाइन पढ़ाई करा रहे हैं। प्रत्येक कॉलेज में छिपी हुई प्रतिभाएं हैं, उनसे ऐसे समय में काम लें।

सीसीएसयू के कुलपति ने राजकीय-अनुदानित महाविद्यालयों के प्रयार्चों से की वीडियो कांफ्रेंसिंग

हिन्ट संवाददाता

कुलपति ने राहत कोष में दी गई धनराशि के विषय में भी जानकारी ली

मेरठ। कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाउन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत सीसीएसयू के कुलपति की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक की एक बैठक आहूत की गयी। जिसमें कुलपति डा. एनके तनेजा द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति जानने पर कुलपति जी को अवगत कराया गया कि सभी महाविद्यालयों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन कक्षाऐं पिछले दो सप्ताह से लगातार संचालित करने के साथ-साथ छात्र/छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि एप ऑलनाईन लैक्चर, ई-मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि भविष्य में भी राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश शासन, कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा दिये गये निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा।

कुलपति डा. एनके तनेजा द्वारा उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा महाविद्यालय के प्राचार्यों को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान करने के लिये प्रेरित किया।

कुलपति डा. एनके तनेजा द्वारा कोविड-19 के कारण प्रभावित/अधिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया गया। उन्होंने महाविद्यालयों के सभी प्राचार्यों से अनुरोध किया कि अपने महाविद्यालय के शिक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होने के कहा गया साथ ही सभी समस्त प्राचार्यों को यह भी निर्देशित किया कि अपनी ई-मेल एवं व्हाट्स एप प्रतिदिन चैक करें जिससे विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये निदेशों का समय पालन किया जा सके, भविष्य में ई-मेल, व्हाट्स एप एवं वेबसाईट को ही महाविद्यालय से पत्राचार हेतु प्रयोग किया जायेगा।

Contd.....

कुलपति अध्यक्षता में वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक

बैठक

- ऑनलाईन वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यो के साथ आयोजित बैठक के सम्बंध में

मेरठ संवाददाता

मेरठ । कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत कुलपति की अध्यक्षता में वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यो, प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक की एक बैठक आहूत की गयी, जिसमें कुलपति द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यो द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति जानने पर कुलपति जी को अवगत कराया गया कि सभी महाविद्यालयों में शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन कक्षाऐं पिछले दो सप्ताह से लगातार संचालित करने के साथ-साथ छात्र/छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि पर ऑनलाईन लैक्चर, ई मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि भविष्य में भी राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश शासन, माननीय कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा दिये गये निदेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जावेगा।

कुलपति द्वारा उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा महाविद्यालय के प्राचार्यो को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान करने के लिये प्रेरित किया। कुलपति द्वारा कोविड-19 के कारण प्रभावित/अर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया गया। कुलपति ने महाविद्यालयों के सभी प्राचार्यो से अनुरोध किया कि अपने महाविद्यालय के शिक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होने के कहा गया साथ ही सभी समस्त प्राचार्यो को यह भी निर्देशित किया कि अपनी ई मेल एवं व्हाट्स एप प्रतिदिन चैक करें जिससे विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों का समय पालन किया जा सके, भविष्य में ई-मेल, व्हाट्स एप एवं वेबसाईट को ही महाविद्यालय से पत्राचार हेतु प्रयोग किया जावेगा।

ऑनलाइन बैठक में की ऑनलाइन कक्षाओं की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू में मंगलवार को कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत माननीय कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा की अध्यक्षता में वीडियों कान्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्यो, विवि प्रतिकुलपति, कुलानुशासक, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक ने भाग लिया। ऑनलाइन बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यो द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति की रिपोर्ट के बारे में शिक्षकों द्वारा कुलपति को अवगत कराया गया। शिक्षकों ने बताया कि महाविद्यालय में ऑनलाईन कक्षाऐं पिछले दो सप्ताह से लगातार संचालित करने के साथ-साथ छात्र- छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि पर ऑलनईन लैक्चर, ई-मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलध्य करायी जा रही है। कुलपति द्वारा उच्च शिक्षा अधिकारी से समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा महाविद्यालय के प्राचार्यो को अपने महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक योगदान करने के लिये प्रेरित किया। और कोविड-19 के कारण प्रभावित-अर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मदद करने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को जागृत करने हेतु अनुरोध किया गया।

न्यूज फर्स्ट ट्रुडे
NEWS F1RST TODAY

कैंपस के शिक्षकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे कुलपति

छात्रों को ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही पाठ्य सामग्री की निगरानी कर रहे कुलपति

■ कैंपस के शिक्षकों का बनाया व्हाट्सएप ग्रुप

मेरठ, संवाददाता। कोरोना वायरस के कारण लॉक डाउन से सभी स्कूल व कॉलेज बंद है जिसके कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है प्रभावित शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा लगातार प्रयासरत है। पहले चरण में माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन व हेड ऑफ द डिपार्टमेंट से बातचीत की थी वहीं दूसरे चरण में शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुलपति जी ने गवर्मेंट व गवर्मेंट एडिड कॉलेज के प्राचार्यों से जूम एप के माध्यम से गहन चिंतन मनन किया। इसके बाद सभी को जरूरी दिशा निर्देश दिए। तीसरे चरण में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा कैंपस के सभी शिक्षकों से रूबरू होंगे। सेमेस्टर सिस्टम का कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षकों से बातचीत करेंगे किस प्रकार से सभी विषयों का कोर्स पूरा कराया जा सकता है तथा कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षक किस किस माध्यम का उपयोग कर रहे हैं ऐसी सभी बातों की जानकारी माननीय कुलपति शिक्षकों से बातचीत के दौरान लेंगे। शिक्षकों से बातचीत करने के पश्चात उनको जरूरी दिशा निर्देश देंगे जिससे कि सेमेस्टर सिस्टम की शिक्षा व्यवस्था पटरी पर आ जाए। इससे पहले दो चरणों में माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा डीन व एचओडी तथा कॉलेज के प्राचार्य को जूम एप, स्काइप, व्हाट्सएप तथा ईमेल के माध्यम से छात्र छात्राओं को पाठन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। माननीय कुलपति जी द्वारा शिक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। डीन व एचओडी व प्राचार्यों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। ऑनलाइन माध्यम से कराई जा रही पढ़ाई में आ रही कठिनाइयों की भी जानकारी ले रहे हैं तथा जल्द से जल्द उसका समाधान भी कराया जा रहा है। कैंपस के शिक्षकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बना दिया गया है। जल्द ही माननीय कुलपति जी शिक्षकों से जूम एप के माध्यम से रूबरू होंगे।

कैंपस के शिक्षकों से ऑनलाइन रूबरू होंगे कुलपति

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन से सभी स्कूल व कॉलेज बंद है। जिसके कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। प्रभावित शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा लगातार प्रयासरत है। पहले चरण में माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीन व हेड ऑफ द डिपार्टमेंट से बातचीत की थी। वहीं, दूसरे चरण में शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुलपति ने गवर्मेंट व गवर्मेंट एडिड कॉलेज के प्राचार्यों से जूम एप के माध्यम से गहन चिंतन मनन किया। इसके बाद सभी को जरूरी दिशा निर्देश दिए। तीसरे चरण में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा कैंपस के सभी शिक्षकों से रूबरू होंगे। सेमेस्टर सिस्टम का कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षकों से बातचीत करेंगे कि किस प्रकार से सभी विषयों का कोर्स पूरा कराया जा सकता है और कोर्स पूरा कराने के लिए शिक्षक किस-किस माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। इन सभी बातों की जानकारी कुलपति शिक्षकों से बातचीत के दौरान लेंगे। शिक्षकों से बातचीत करने के पश्चात उनको जरूरी दिशा निर्देश देंगे। जिससे कि सेमेस्टर सिस्टम की शिक्षा व्यवस्था पटरी पर आ जाए। इससे पहले दो चरणों में कुलपति ने डीन व एचओडी और कॉलेज के प्राचार्य को जूम ऐप, स्काइप, वाट्सऐप तथा ई-मेल के माध्यम से छात्र छात्राओं को पाठन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

प्रो. एन के तनेजा

कैंपस शिक्षकों का बनाया वाट्सऐप ग्रुप

ऑनलाइन माध्यम से छात्र और छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही पाठ्य सामग्री की निगरानी कर रहे हैं: कुलपति

कुलपति द्वारा शिक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। डीन व एचओडी व प्राचार्यों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। ऑनलाइन माध्यम से कराई जा रही पढ़ाई में आ रही कठिनाइयों की भी जानकारी ले रहे हैं और जल्द से जल्द उसका समाधान भी कराया जा रहा है। कैंपस के शिक्षकों का एक वाट्सऐप ग्रुप भी बना दिया गया है। जल्द ही कुलपति प्रो. एनके तनेजा शिक्षकों से जूम ऐप के माध्यम से रूबरू होंगे।

परीक्षाएं समय से संचालित करने हेतु कुलपति जी द्वारा ली गयी जानकारी एवं आगामी योजनाएं

कुलपति ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ली परीक्षाओं की प्रक्रिया की जानकारी

वीडियों कान्फ्रेंसिंग

- लॉकडाउन खुलते ही विश्वविद्यालय में शुरू हो जाएगा परीक्षाओं का भंवर

कार्यालय संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू में शनिवार को ऑनलाईन वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गयी। जिसमें कोरोना वायरस के कारण किये गये लॉकडाऊन से उत्पन्न हुयी परिस्थितियों के दृष्टिगत कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा की अध्यक्षता में वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों, संकायध्यक्षों, कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक ने चर्चा की।

कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा द्वारा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन के विषय में प्रगति जानने पर कुलपति को अवगत कराया गया कि सभी विभागों में ऑनलाईन कक्षाऐं लगातार संचालित करने के साथ.साथ छात्र-छात्राओं को जूम ऐप, स्काईप आदि पर ऑलनईन लैक्चर, ई.मेल, व्हाट्स एप, एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री मेटीरियल उपलध्य करायी जा रही है एवं उन्होने यह मत भी व्यक्त किया कि लोकडाऊन समाप्त होने के दो सप्ताह के पश्चात सेमेस्टर सिस्टम के बचे हुए पाठ्यक्रमों को कक्षाओं के माध्यम से पूरा कर लिया जायेगा तथा सेमेस्टर परीक्षाऐं अतिशिघ्र प्रारम्भ करायी जा सकेंगी।

कुलपति ने विभागाध्यक्षा को अवगत कराया कि वेसाबईट पर उनके विषय से सम्बंधित उच्च कोटी के मैटीरियल को भी उपलब्ध कराया जा सकता है। परीक्षा नियंत्रक ने कुलपति को अवगत कराया कि लॉकडाऊन समाप्त होने के पश्चात वार्षिक प्रणाली की परीक्षाऐं 31 मई तथा सेमेस्टर परीक्षाओं के लिये 1 जून से आरम्भ कर 15 जून तक समाप्त करने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गयी हैं।

कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के शिक्षकों, अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वेच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये योगदान के लिये धन्यवाद दिया गया। बैठक में चौधरी चरण सिंह विश्व विद्यालय से सम्बद्ध महा विद्यालय के प्राचार्यो का भी एक ग्रुप बनाकर शीघ्रातिशीघ्र ऑनलाईन वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आहूत कर उठाये गये कदमों पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

विवि कुलपति ने ली परीक्षाओं की जानकारी

● जनवाणी संवाददाता, मेरट

चौधरी चरण सिंह विवि में शनिवार को ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को देखते हुए स्थगित हुई परीक्षाओं को फिर से शुरू कराने को लेकर योजना तैयार की गई। ऑनलाइन बैठक के दौरान विवि कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने विश्वविद्यालय परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों, कुल सचिव, वित्तधिकारियों एवं परीक्षा नियंत्रक ने चर्चा करते हुए परीक्षा व ऑनलाइन कक्षाओं पर चर्चा की। इस दौरान प्रो. एनके तनेजा ने सभी विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों द्वारा चलाई जा रही ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन की प्रगति रिपोर्ट भी जानी और सभी विभागों में ऑनलाइन कक्षाएं लगातार संचालित करने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को जूम ऐप, स्काइप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ईमेल, व्हाट्सऐप और वेबसाइट के माध्यम से अध्ययन सामग्री मेटीरियल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। लॉकडाउन समाप्त होने के दो सप्ताह के पश्चात सेमेस्टर सिस्टम के बचे हुए पाठ्यक्रमों को कक्षाओं के माध्यम से पूरा कर लिया जाएगा और सेमेस्टर परीक्षाओं को अतिशीघ्र प्रारंभ कराया जा सकेगा। कुलपति

लॉकडाउन खुलते ही विश्वविद्यालय में शुरू हो जाएगा परीक्षाओं का दौर

ने विभागाध्यक्षा को अवगत कराया कि वेबसाइट पर उनके विषय से संबंधित उच्च कोटी के मेटीरियल को भी छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराया जा सकता है। परीक्षा नियंत्रक अश्वनी कुमार ने कुलपति को अवगत कराया कि लॉकडाउन समाप्त होने के पश्चात वार्षिक प्रणाली की परीक्षाएं 31 मई तथा सेमेस्टर परीक्षाओं को एक जून से आरंभ कर 15 जून तक समाप्त करने के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त महाविद्यालयों के शिक्षकों, अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा अपने मासिक वेतन से स्वैच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्यों का भी एक ग्रुप बनाकर शीघ्र-अतिशीघ्र ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आहूत कर कोविड-19 के चलते उत्पन्न हुई परिस्थितियों में उनके द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है।

सीएस एंट्रेस के लिए पांच मई तक करें आवेदन

मेरठ: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज, आईसीएसआई ने सीएस एक्जीक्यूटिव एंट्रेंस 2020 के लिए रजिस्ट्रेशन की समय सीमा पांच मई तक बढ़ा दी है। इंस्टीट्यूट ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इस बारे में जानकारी देते हुए नोटिफिकेशन जारी किया है। सीएस एग्जिक्यूटिव एंट्रेंस एग्जाम (सीएसईईटी) 28 मई 2020 को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। पहले आवेदन फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 15 अप्रैल 2020 थी। जिसे अब बदलकर पांच मई कर दिया गया है।

देश भर में फैल रहे कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आईसीएसआई ने कंपनी सेकेट्रीज की परीक्षा के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। ज्यादा जानकारी के लिए आईसीएसआई की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी नोटिफिकेशन देख सकते हैं। नोटिफिकेशन के अनुसार अब अभ्यर्थी पांच मई तक इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों ने कोरोना वायरस से बचाव को लेकर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। जिसके चलते अब सीएएस परीक्षा के आवेदन की आखिरी तारीख को भी बढ़ाया जा रहा है।

मई तक टली परीक्षाएं, एंट्रेंस टेस्ट भी नहीं

लॉकडाउन-2

तीन मई तक लॉकडाउन बढ़ने से चौ.चरण सिंह विवि की मुख्य परीक्षाओं पर भी रहेगा अभी ब्रेक

जेईई मेन, नीट, नेट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के भी मई के आखिरी में जाने की है उम्मीद

शिक्षा

मेरठ। तीन मई तक लॉकडाउन बढ़ने से चौ.चरण सिंह विवि की मुख्य परीक्षाएं भी टल गई हैं। लॉकडाउन से न केवल विवि की परीक्षाएं प्रभावित होंगी बल्कि प्रतियोगी परीक्षाएं भी आगे खिसकेंगी। यदि तीन मई के बाद भी लॉकडाउन आगे बढ़ा तो सीसीएसयू की परीक्षाएं भी ऑनलाइन मोड में होने की उम्मीद है। प्रतियोगी परीक्षाएं पहले से ही ऑनलाइन मोड में हैं।

लॉकडाउन से चौ.चरण सिंह विवि के नौ जिलों के करीब तीन लाख छात्रों को अपनी मुख्य परीक्षाओं के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। फिलहाल तीन मई तक विवि की कोई परीक्षा नहीं होगी। विवि तीन मई के निर्णय के बाद मुख्य परीक्षाओं की समीक्षा करेगा। तब तक राज्य स्तर पर बनी कुलपतियों की समिति भी ऑनलाइन मोड में परीक्षा के विकल्प पर अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है।

प्रतियोगी परीक्षाएं अब मई आखिर और जून में ही

मेरठ। लॉकडाउन आगे बढ़ने से देशभर में नीट, नेट, जेईई मेन, जेईई एडवांस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं मई के आखिरी हफ्ते से जून में ही हो पाएंगी। चूंकि कोरोना संक्रमण से बचाव में सामाजिक दूरी महत्वपूर्ण है, ऐसे में स्थिति नियंत्रण में होने पर सरकार शिफ्टों की संख्या बढ़ाने और प्रत्येक पाली में छात्रों की संख्या आधी करके ऑनलाइन परीक्षा करा सकेगी। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के देशभर में ऑनलाइन सेंटर बनते हैं।

अगले हफ्ते शुरू होंगे एमफिल के आवेदन

मेरठ। चौ.चरण सिंह विवि फिलहाल लॉकडाउन में घर बैठे ही छात्र-छात्राओं को एमफिल के फॉर्म भरने की सुविधा देने जा रहा है। कुलपति प्रो.एनके तनेजा के अनुसार विवि अगले हफ्ते एमफिल एंट्रेंस के फॉर्म ऑनलाइन कर देगा। जिनके पास इंटरनेट की सुविधा है वे घर बैठे ही इस अवधि में आवेदन कर सकते हैं। कुलपति प्रो.तनेजा के अनुसार लॉकडाउन में विवि छात्रों को निर्धारित कोर्स का कंटेंट उपलब्ध करा रहा है। यह कंटेंट कक्षा से अधिक संयोजित (स्ट्रक्चर्ड) फॉर्मेट में है।

व्यापार : कार्ड व्यापारियों का आर्थिक संकट बढ़ा

मेरठ। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लॉकडाउन ने कार्ड व्यापारियों को भी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। मेरठ कार्ड एसोसिएशन के महामंत्री लोकेश अग्रवाल ने मौजूदा हालात को देखते हुए सरकार से मांग की है कि जीएसटी में छूट और बैंकों से ईएमआई में राहत दी जाए। मेरठ कार्ड एसोसिएशन के महामंत्री लोकेश अग्रवाल ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते कार्ड व्यापारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उनका कहना है कि देश में चार-पांच महीने की शादी का सीजन होता है। अब कोरोना वायरस संक्रमण के चलते अप्रैल, मई, जून का सीजन समाप्त हो गया। अब यह सीजन नवंबर में शुरू होगा। चवाय का मार्च महीने में जो बुकिंग हुई थी, वह तमाम बुकिंग रद्द हो चुकी है। प्रिंट और पैकिंग का आर्डर भी रद्द हो गए। कार्ड की लागत, प्रिंटिंग की लागत और पैकिंग की लागत सभी व्यापारियों के खाते से गई है।

किसानों के घर से होगी गेहूं खरीद

किसान

मेरठ। लॉक डाउन में किसानों को सहूलियत दी गई है। सरकारी मशीनरी किसानों के घर पहुंचकर खरीद करेगी। इसके लिए सरकार की तरफ से निर्देश जारी कर दिया है।

वेस्ट यूपी में गेहूं रबी सीजन की मुख्य फसल है। फिलहाल फसल पक चुकी है और काटी जाने वाली है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने इस बार गेहूं खरीद की प्रतिवर्ष प्रत्येक ब्लॉक में क्रय केंद्र स्थापित कर खरीद की व्यवस्था बदल दी है। इसमें खाद्य एवं विपणन विभाग के कर्मचारी किसान के घर जाकर गेहूं तौल करके खरीदेंगे। किसानों को जनसेवा केंद्र या विभागीय वेबसाइट के अलावा कार्यालय में पंजीकरण कराना जरूरी होगा। इसमें किसान का पूरा नाम, पता, गेहूं की प्रजाति और क्रय किया जाने वाले गेहूं का कुल वजन बताना होगा।

मुख्य परीक्षा 31 मई तक, एक जून से सेमेस्टर परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में वार्षिक प्रणाली की स्थगित मुख्य परीक्षाएं 31 मई तक संपन्न हो जाएंगी। इसके बाद एक जून से विवि सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू कराई जाएंगी। ये परीक्षाएं 15 जून तक चलेंगी। यह निर्णय शनिवार को विश्वविद्यालय में आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग में किया गया।

कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि सेमेस्टर कोर्सों के विद्यार्थियों की कक्षाएं ऑनलाइन पूरी कराएं। इसके अतिरिक्त कॉलेज खुलने पर दो सप्ताह में कोर्स हर हाल में पूरा कराएं। विभागाध्यक्षों ने बताया कि जूम एप, स्काइप आदि के माध्यम से ऑनलाइन लेक्चर मेल और व्हाट्स एप पर छात्रों को भेजे जा रहे हैं। कुलपति ने कहा कि स्वयं, यूजीसी और एमएचआरडी की वेबसाइट पर भी छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन मैटीरियल उपलब्ध है। बैठक में परीक्षा नियंत्रक ने कुलपति को अवगत कराया कि 18 मार्च से स्थगित की गईं परीक्षाएं 31 मई तक पूरी करा ली जाएंगी। इसके बाद फिर एक जून से

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके तनेजा वीडियो कांफ्रेंसिंग करते हुए।

सेमेस्टर कोर्सों की परीक्षाएं शुरू कराकर 15 जून तक संपन्नकरा दी जाएंगी।

उन्होंने कोरोना संक्रमण के चलते पढ़ाई में हो रहे नुकसान को लेकर विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों के प्राचार्यों का एक ग्रुप बनाकर ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग कराने के लिए निर्देशित किया है। इसमें परीक्षाओं और सेमेस्टर कोर्स पूरा कराने को लेकर विमर्श किया जाएगा। कुलपति ने समस्त शिक्षकों-कर्मचारियों का मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

कुलपति ने अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस की

विद्या ग्लोबल में ऑनलाइन कक्षा शुरू

मेरठ। बागपत रोड स्थित विद्या नॉलेज पार्क के विद्या ग्लोबल स्कूल में ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हो गई हैं। शिक्षक जूम एप से प्रत्येक कक्षा की पढ़ाई करा रहे हैं। इस प्रकार की कक्षाओं में 17 से लेकर 25 बच्चे एक साथ ऑनलाइन जुड़ रहे हैं। इसमें बच्चों को नये सत्र के पाठ्यक्रम के साथ पीपीटी, वीडियो, असाइनमेंट, गृहकार्य आदि के साथ प्रश्नावली भी भेज रहे हैं। प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विभिन्न विषयों की कक्षाएं ऑनलाइन दी जा रही है। अगले दिन का टाइम टेबल पहले ही दे दिया जाता है और उसी समय पर कक्षाएं शुरू होती हैं। इसमें अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, कंप्यूटर आदि विषयों को शामिल किया जा रहा है।

---

31 मई से परीक्षा कराने की तैयारी

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोरोना वायरस के कारण चल रहे देशव्यापी लॉकडाउन का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर कम से कम पड़े इसका पूरा प्रबंध किया जा रहा है। चौ. चरण सिंह विवि ने भी विवि के सभी विभागों और संबद्ध कॉलेजों को ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी विभागाध्यक्षों व संकाय अध्यक्षों संग बैठक की। विवि ने सभी विभागों से ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन पर प्रगति रिपोर्ट ली। परीक्षा नियंत्रक ने बैठक में बताया कि लॉकडाउन समाप्त होने के बाद वार्षिक प्रणाली की परीक्षाएं 31 मई से और सेमेस्टर परीक्षाएं एक जून से शुरू कर 15 जून तक समाप्त करने की पूरी तैयारी की जा चुकी है। कोरोना के फैलाव को बढ़ता देख किए गए लॉकडाउन के बाद विवि की परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई थीं।

ऑनलाइन उपलब्ध हैं उपयुक्त संसाधन

बैठक में कुलपति प्रो. एनके तनेजा

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक करते कुलपति प्रो. एनके तनेजा ● सौ. विवि

ने सभी विभागाध्यक्षों को ऑनलाइन उपलब्ध शिक्षण सामग्री के उपयुक्त व पर्याप्त संसाधनों का इस्तेमाल करने के लिए भी प्रेरित किया। इसमें स्वयं, यूजीसी, एमएचआरडी आदि वेबसाइटों पर उच्च कोटि के कोर्स मैटेरियल उपलब्ध हैं। इस बैठक में विवि से मान्यता प्राप्त कॉलेजों के प्राचार्यों का भी एक ग्रुप बनाकर उनके साथ ही ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक करने का निर्णय लिया गया जिससे लॉकडाउन की परिस्थितियों पर विचार-विमर्श कर शिक्षण का माहौल बनाए रखने में मदद मिले। कुलपति ने विवि व कॉलेजों के शिक्षकों, कर्मचारियों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के मासिक वेतन से ऐच्छिक कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराने के लिए सभी को धन्यवाद कहा।

लॉकडाउन के बाद चलेंगी सेमेस्टर कक्षाएं

विवि के सभी विभागों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के साथ ही जूम व स्काइप जैसे वीडियो कालिंग मोबाइल व डेस्कटॉप एप के जरिए ऑनलाइन लेक्चर दिए जा रहे हैं। ई-मेल, वाट्सएप एवं वेबसाइट के जरिए अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। कुलपति सहित सभी विभागों ने यह भी मत व्यक्त किया कि लॉकडाउन समाप्त होने के दो सप्ताह के बाद सेमेस्टर सिस्टम के बचे हुए पाठ्यक्रमों को कक्षाओं के माध्यम से पूरा कर लिया जाएगा व सेमेस्टर परीक्षाएं जल्द ही संपन्न कराई जाएंगी।

सीसीएसयू : 31 मई तक मुख्य एक जून से सेमेस्टर परीक्षाएं

मेरठ। लॉकडाउन खत्म होते ही चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाएं शुरू कराकर 31 मई तक निपटाई जाएंगी। छात्र-छात्राओं को सेमेस्टर कक्षाओं के लिए दो हफ्ते मिलेंगे और एक जून से सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

कुलपति प्रो.एनके तनेजा ने रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, डीन और एचओडी से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक करते हुए आगे की तैयारियों पर चर्चा की। कुलपति ने सभी शिक्षकों से छात्रों के निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें सेमेस्टर कोर्स का कंटेंट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। परीक्षा नियंत्रक डॉ.अश्विनी कुमार ने कहा कि विवि लॉकडाउन खत्म होने की स्थिति में 31 मई तक सभी मुख्य परीक्षाएं पूरी करा लेगा, जबकि सेमेस्टर परीक्षाएं एक जून से शुरू कराकर 15 जून तक कराई जाएंगी। कुलपति ने शिक्षक और छात्रों से आपस में समन्वयक बनाते हुए लॉकडाउन की अवधि में ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने के निर्देश दिए।

विवि जल्द घोषित करेगा संशोधित परीक्षा कार्यक्रम : मेरठ। 14 अप्रैल तक लॉकडाउन होने से स्थगित मुख्य परीक्षाओं के लिए विवि जल्द ही संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी करेगा। विवि फिलहाल शासन से लॉकडाउन की स्थिति पर नजर रखे हुए है।

लॉकडाउन खत्म होते ही परीक्षाएं, जून में रिजल्ट

01 अगस्त से नए शैक्षिक सत्र की तैयारी, गर्मी की छुट्टियों में कटौती संभव

216 परीक्षा केंद्र हैं अभी मेरठ में, बढ़ाई जा सकती है संख्या

तैयारी

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

लॉकडाउन खत्म होने के हफ्तेभर बाद चौ. चरण सिंह विवि की मुख्य परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। विवि समय से परीक्षाएं कराते हुए जून में रिजल्ट एवं जुलाई में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करेगा। अधिकतम स्थिति में एक अगस्त से नए सत्र की शुरुआत होगी। सत्र पटरी पर लाने के लिए गर्मियों की छुट्टियों में कटौती की जा सकती है। केंद्रों पर परीक्षाएं सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में होंगी। ऐसे में विवि परीक्षा केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने प्रदेशभर के सभी विवि के कुलपति और रजिस्ट्रार के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग करते सत्र को नियमित करने के निर्देश दिए। चौ. चरण सिंह विवि से कुलपति प्रो. एनके तनेजा और रजिस्ट्रार धीरेंद्र वर्मा भी कांफ्रेंस में शामिल हुए। डॉ. दिनेश शर्मा ने लॉकडाउन खत्म होने के बाद एक हफ्ते में परीक्षाएं शुरू कराने को कहा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कुलपतियों से कम समय में परीक्षा कराने की अपील की। उन्होंने सेमेस्टर स्तर पर अधूरे कोर्स को पूरा कराने के लिए विशेष स्थिति में लॉकडाउन के बाद अधिकतम दस दिन का समय देने को कहा। डॉ. शर्मा ने समय से मूल्यांकन कराते हुए जून में रिजल्ट देने के निर्देश दिए।

इंटर का जून में आएगा रिजल्ट: उन्होंने कहा कि इंटर के रिजल्ट जून में आ जाएंगे। ऐसे में विवि जुलाई में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करते हुए अधिकतम एक अगस्त से सत्र शुरू कर दें। एमफिल एंट्रेंस सहित अन्य प्रवेश प्रक्रिया को जल्द पूरी करने का अधिकार कुलपतियों पर छोड़ दिया गया है।

नियुक्ति के आवेदन की बढ़ेगी तिथि

चौ. चरण सिंह विवि कैंपस में विभिन्न विभागों में शिक्षकों की नियुक्ति को जारी ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ना तय है। लॉकडाउन के चलते अनेक आवेदक यह प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके। कुलपति प्रो. एनके तनेजा के अनुसार जल्द ही अंतिम तिथि बढ़ाने के आदेश जारी हो जाएंगे।

शुक्रवार को डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग करते विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा व अन्य अधिकारी।

विवि की तैयारी पूरी

कुलपति प्रो. एनके तनेजा के अनुसार परीक्षाएं लॉकडाउन खत्म होते ही एक हफ्ते में शुरू हो जाएंगी। विवि की तैयारी पूरी है। केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि सामाजिक दूरी के नियम पूरे हों। कुलपति के अनुसार मूल्यांकन केंद्र जिलेवार बनाने पर शासन की सहमति मिलने पर निर्णय होगा। विवि सेमेस्टर के फॉर्म और एमफिल एंट्रेंस के फॉर्म जल्द ऑनलाइन कर देगा ताकि आवेदन प्रक्रिया पूरी हो सके।

अधिकार

निजी स्कूलों के शिक्षकों की सेलरी तय करेंगे कुलपति

विश्वविद्यालयों से संबद्ध सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों के शिक्षकों की सेलरी तय करने का अधिकार कुलपति को दिया गया है। कॉलेजों की फीस और सुविधाओं के आधार पर कुलपति शिक्षकों की सेलरी तय करेंगे। जरूरत पड़ने पर सामान्य वेतन में भी कटौती का अधिकार कुलपतियों पर छोड़ा गया है। प्रैक्टिकल के लिए स्थानीय स्तर पर ही परीक्षकों की तैनाती करने के सुझाव दिए गए हैं।

सीसीएसयू कैंपस में 20 से शुरू हो जाएगा काम

विवि कैंपस में 20 अप्रैल से अधिकारी दफ्तरों में बैठकर काम करेंगे। केवल 33 फीसदी कर्मचारियों को ही काम पर आने की अनुमति होगी। सामाजिक दूरी के नियम अनिवार्य होंगे। इससे परीक्षा और मूल्यांकन से जुड़े कामों में तेजी आने के आसार हैं। तीन मई तक कैंपस में छात्र-छात्राओं को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

स्नातक परीक्षा का बदल सकता है पूरा स्वरूप

विकल्प की तलाश

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

मुख्य परीक्षाओं में पेपर और प्रश्नों की संख्या कम करने के सुझाव के बाद चौ. चरण सिंह विवि ने भी विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया है। यदि पेपर कम करने को हरी झंडी मिली तो स्नातक स्तर के पेपर का पूरा कार्यक्रम बदलेगा। स्नातक में एक विषय में दो से तीन पेपर तक होते हैं।

डिप्टी सीएम ने दिया था निर्देश: डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने विश्वविद्यालयों को प्रश्न पत्र और प्रश्नों की संख्या पर विचार करने के निर्देश दिए थे। सभी विश्वविद्यालयों को इसकी रिपोर्ट तैयार करते हुए शासन को देनी है। सीसीएसयू लॉकडाउन से पहले तक यूजी-पीजी के कुछ पेपर करा चुका है।

...तो यह होगा परीक्षा का प्रारूप

विवि प्रशासन के अनुसार यदि पेपर की संख्या कम करने पर सहमति बनती है तो इसमें स्नातक में प्रत्येक विषय के अलग-अलग कोड के पेपर को एक साथ समाहित करना होगा। जैसे, केमेस्ट्री में विवि तीन पेपर कराता है जबकि बॉटनी में दो। इसी तरह अन्य विषयों में भी अलग-अलग पेपर कोड के अलग-अलग पेपर होते हैं। विवि प्रशासन के अनुसार शासन के निर्देशों के अनुसार फिलहाल प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है।

एनसीईआरटी : अल्ट्रानेटिव एकेडमिक कैलेंडर जारी

मेरठ। एनसीईआरटी ने प्राइमरी कक्षाओं के लिए अल्ट्रानेटिव एकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। इसमें बच्चों के लिए पूरा टाइम टेबल दिया गया है। टाइम टेबल में तीन पहलुओं को एक साथ जोड़ा गया है। इसमें बच्चे, अभिभावक और शिक्षक हैं। एक तरह से अभिभावकों को भी बच्चों के साथ जोड़ा गया है, ताकि वह ऑनलाइन टीचिंग में मदद कर सकें। एनसीईआरटी ने जारी टाइम टेबल में विषय वार जानकारी दी है। उदाहरण के तौर पर कहानी, कविता, अनुभव सुनना आदि। इसके जरिए, घर में किसी बड़े व्यक्ति से किताब से उंगली रखकर कहानी, कविता पढ़कर सुनाए जाने के लिए कहा गया है। कुल मिलाकर ऑनलाइन पढ़ाई में अभिभावकों को बच्चों की मदद के लिए कहा गया है, क्योंकि छोटे बच्चों को ऑनलाइन टीचिंग में समस्या होती है।

लॉकडाउन खुलने पर होंगी फाइनल ईयर की परीक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। प्रदेश के विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में कितनी परीक्षाएं अभी बाकी हैं। तीन मई को लॉकडाउन खुला तो उनको कितने दिन में खत्म करा सकते हैं। पहले फाइनल ईयर के छात्रों की परीक्षाएं पूरी कराई जाएं। ये तमाम बातें शुक्रवार को डिप्टी सीएम और विवि के कुलपति-अधिकारियों के बीच की गईं। कुछ कुलपति ने यह भी राय दी कि ऐसे समय में परीक्षाओं की अवधि तीन घंटे से घटाकर दो घंटे भी कर सकते हैं। प्रश्नों की संख्या घटा सकते हैं। इसके साथ ही मूल्यांकन को लेकर कुलपति को ये अधिकार दिए गए हैं कि वे हर जिले में मूल्यांकन सेंटर बनाने के साथ ही उनकी संख्या भी जरूरत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं।

शुक्रवार दोपहर को 12 बजे से दो बजे तक कलक्ट्रेट स्थित एनआईसी ऑफिस में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, विशेष सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने प्रदेश के सभी कुलपति, रजिस्ट्रार और शिक्षा अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की। बैठक में मेरठ से सीसीएसयू के कुलपति प्रो. एनके तनेजा, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार वर्मा, क्षेत्रीय उच्चशिक्षाधिकारी डॉ. राजीव और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों ने सभी कुलपति से इसको लेकर चर्चा की कि अगर तीन मई को लॉकडाउन खुल जाता है तो परीक्षा कैसे कराएंगे। इस पर सभी कुलपति ने कहा कि कम से कम एक सप्ताह बाद ही शुरू कराई जा सकती हैं। परीक्षा कार्यक्रम भी दोबारा घोषित करना होगा। छात्रों को भी समय चाहिए। अधिकतर जगहों पर बताया गया कि पेपर की संख्या इतनी है कि कितनी भी जल्दी कराएं, लेकिन एक महीने से पहले परीक्षाएं खत्म नहीं कराई जा सकती हैं। कई कुलपति ने राय दी कि पेपर की अवधि तीन घंटे से घटाकर दो घंटे कराई जा सकती है। पेपर चार पालियों में कराए जा सकते हैं। इसमें प्रश्नों की संख्या भी घटा सकते हैं। यह भी तय किया गया कि पहले फाइनल ईयर के छात्रों की परीक्षाएं कराई जाएं, ताकि उनका रिजल्ट जल्द से जल्द जारी होने के बाद वे अगली कक्षा में फार्म भर सकें। जो छात्र-छात्राएं प्रथम और द्वितीय वर्ष में हैं उनका रिजल्ट देरी से भी आएगा तो भी उससे ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। इस पर सहमति बनी।

विवि में केंद्रीय व्यवस्था के तहत होने वाले मूल्यांकन को लेकर राज्यपाल ने सभी कुलपति को इस पर स्वयं निर्णय लेने को कहा। यानी मेरठ और सहारनपुर मंडल में अब जिलेवार केंद्र बनाकर मूल्यांकन की व्यवस्था कराई जाएगी। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर कुलपति मूल्यांकन केंद्र बढ़ा सकते हैं ताकि छात्र-छात्राओं का रिजल्ट समय से जारी किया जा सके।

कलक्ट्रेट स्थित एनआईसी में वीडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल कुलपति व अन्य।

कुलपति और अधिकारियों से की डिप्टी सीएम और प्रमुख सचिव शिक्षा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग, पेपर की अवधि दो घंटे करने की राय दी

20 अप्रैल से विवि में शुरू होंगे जरूरी काम

राज्य सरकार ने शुक्रवार को जो एडवाइजरी जारी की है उसमें निर्देश दिए गए हैं कि 20 अप्रैल से 33 फीसदी अधिकारियों-कर्मचारी रोस्टर के हिसाब से ड्यूटी करेंगे। रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार ने बताया कि 20 अप्रैल से जरूरी काम पूरे करा जाने शुरू हो जाएंगे।

नहीं ले सकते ट्रांसपोर्ट की फीस

डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा है कि निजी स्कूल लॉकडाउन की अवधि में अभिभावकों से कोई ट्रांसपोर्टेशन शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग ने तिमाही की जगह हर महीने शुल्क लेने का आदेश पहले ही जारी किया है। उन्होंने कहा कि शुल्क न जमा होने की स्थिति में किसी भी विद्यार्थी को न तो ऑनलाइन पढ़ाई से वंचित किया जा सकता है ना ही किसी विद्यार्थी का नाम काटा जा सकता है। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन अवधि में स्कूलों को फीस स्थगित करने के भी निर्देश दिए हैं।

छात्र-छात्राएं लॉकडाउन का करें सदुपयोग

परीक्षाओं की तैयारी में जुटें

- सीसीएसयू द्वारा लॉक डाउन खुलने के पश्चात कराई जाएंगी स्थगित परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता

मेरठ। वर्तमान समय में कोरोना वायरस को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश में पूर्व में 21 दिन का लॉक डाउनलोड किया गया था। जिससे कि इसके संक्रमण को रोका जा सके। लेकिन जिस तीव्र गति से वायरस ने कुछ दिनों में पैर पसारे हैं। उसे देखते हुए देशवासियों की मांग पर प्रधानमंत्री द्वारा 19 दिन के लिए अर्थात 3 मई तक लॉक डाउन की अवधि को बढ़ा दिया है इसी वजह से पूर्व में ही सभी परीक्षाओं को स्थगित करते हुए शिक्षण संस्थानों को भी बंद कर दिया था। जोकि लॉक डाउन की अवधि तक बंद ही रहेंगे। जिससे कि छात्र-छात्राएं इस वायरस से संक्रमित ना हो पाए।

लॉकडाउन खुलते ही शुरू हो जाएगा परीक्षाओं का दौर

लॉक डाउन खुलने के पश्चात अगर परिस्थिति अनुकूल रही, तो शासन के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं का संचालन किया जाएगा। इसलिए छात्र-छात्राएं घर में बैठकर समय का उपयोग करते हुए, अपनी परीक्षाओं की तैयारियां करने लगें। क्योंकि सत्र को सुचारू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय में परीक्षाओं को संपन्न कराया जाएगा।

14 को लॉकडाउन खुलता तो 31 मई तक विश्वविद्यालय द्वारा स्थगित परीक्षाएं कराने की तैयारी थी

लॉक डाउन के कारण स्नातक-परास्नातक की मुख्य परीक्षाएं जो बीच में स्थगित कर दी गई थीं। अगर 14 अप्रैल को लॉक डाउन खुलता तो परीक्षाओं को 31 मई तक संपन्न कराने की तैयारी थी। उसके पश्चात ही विभिन्न सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। लेकिन लॉक डाउन की अवधि 3 मई तक बढ़ा दी गई

प्रशासन ऑनलाइन परीक्षाओं को कराने के लिए विचार कर रहा है। जिससे कि समय पर नए सत्र को सुचारू किया जा सके। इसलिए छात्र-छात्राएं अपनी परीक्षाओं की तैयारी करने लगें।

जल्द आ सकते हैं सेमेस्टर परीक्षा फार्म

लॉकडाउन खुलने के पश्चात ही सेमेस्टर परीक्षा फार्म को भी जारी कर दिया जाएगा। जिससे समय से परीक्षा संपन्न हो सकें।

कुलपति कर रहे हैं ऑनलाइन कक्षाओं की समीक्षा

सीसीएसयू कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए सभी शिक्षकों को आदेश दिया कि ऑनलाइन कक्षाओं को कराते हुए छात्र-छात्राओं के पाठ्यक्रम को पूरा कराया जाए। जिससे कि अन्य सत्र समय से पूरे हो सकें। यही नहीं ऑनलाइन कक्षाओं की समीक्षा भी कुलपति स्वयं कर रहे हैं। साथ ही कुलपति ने सभी शिक्षकों का भी एक ग्रुप बनाया है। जिसमें वह पल-पल की अपडेट लेते रहेंगे। सीसीएसयू परीक्षा नियंत्रक डॉ अश्विनी कुमार ने बताया कि विश्व विद्यालय की तरफ से परीक्षाओं की पूरी तैयारी है, जैसे ही शासन का आदेश होगा। उसके बाद परीक्षाएं तय समय पर संपन्न करा दी जाएंगी। इसलिए छात्र छात्राएं अपनी

विश्वविद्यालय स्तर पर खाद्य सामग्री का वितरण

कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री का किया वितरण

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागू गए लॉकडाउन में यूं तो सारे शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद पड़े हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं। शनिवार को माननीय कुलपति जी द्वारा वीडियो कांफ्रेंस द्वारा ली गई बैठक में दिए गए निर्देश शैक्षिक गतिविधि के साथ सामाजिक सरोकार के क्रम में रविवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी प्रो० नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे श्रमिक व मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 50 से अधिक परिवारों को माननीय कुलपति जी, कुलानुशासक प्रो० वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ० अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ० दुष्यंत चौहान, एससीआरआईपीटी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ० राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। इस दौरान सभी ने हाथों में ग्लव्स, मॉस्क पहन रखा था। माननीय कुलपति जी प्रो० नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरों से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह मजदूरों की मजदूरी में किसी प्रकार की कटौती ना करें। मजदूरों को कहा कि किसी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सूचना करें। विश्वविद्यालय द्वारा हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। माननीय कुलपति जी ने मजदूरों से कहा कि बिना किसी काम के वह बाहर न निकलें। साथ ही माननीय कुलपति जी द्वारा कुलानुशासक प्रो० वीरपाल सिंह, सहायक कुलानुशासक डॉ० दुष्यंत चौहान को निर्देश दिए कि वह श्रमिक मजदूरों की देखरेख करते रहें। माननीय कुलपति जी ने की अपील हम अकेले नहीं हैं, कोई भी अकेला नहीं है। माननीय कुलपति प्रो० नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय परिसर तथा उससे संबद्ध महाविद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राओं तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों से अपील की कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर कोरोना के अंधकार को चुनौती देने हेतु दिनांक 5 अप्रैल 2020 को रात्रि 9 बजे सभी घरों की लाइट बंद करके घर के दरवाजे या बालकनी में खड़े होकर मोमबत्ती, दीया, टार्च, मोबाइल की लाइट को 9 मिनट तक जलाएं जो इस संकल्प को प्रदर्शित करेगा कि हम अकेले नहीं हैं, कोई भी अकेला नहीं है। साथ ही मजदूरों से भी इसकी अपील की।

शनिवार को बने खाने के पैकेट जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी को सौंपते कुलपति प्रो. एनके तनेजा ● जागरण

हर दिन दो हजार लोगों को भोजन देगा विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरण सिंह विवि की ओर से जरूरतमंदों और कोरोना के खिलाफ जंग में शामिल लोगों को खाना देने की मुहिम शुरू की है। शनिवार को विवि परिसर स्थित दुर्गाबाड़ी हॉस्टल में रसोई की शुरुआत की गई है। इसका शुभारंभ विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने किया। इस रसोई में हर दिन दो हजार लोगों को खाना बनेगा। पूरा खाना विवि की ओर से जिला प्रशासन को प्रदान किया जाएगा। प्रशासन ही इस खाद्य सामग्री को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएगा। लॉकडाउन रहने तक यह व्यवस्था जारी रहेगी। प्रो. पीके शर्मा, प्रो. बीर पाल, प्रो. केके चौहान उपस्थित रहे।

2280 परिवारों राशन पहुंचा चुके विनीत शारदा

लॉकडाउन के चलते आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भोजन की कमी न हो इसके लिए विनीत अग्रवाल फैंस क्लब की ओर से लगातार 17 दिनों से मोदी राशन किट का वितरण किया जा रहा है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने बताया अभी तक उनके द्वारा 2280 परिवारों के घर पर मोदी राशन किट पहुंचाई जा चुकी है।

ME
MAIN GAT
FREE
MI
ORD
9997
Deliv

विवि शिक्षकों के साथ गरीबों को खाद्य सामग्री का वितरण करते कुलपति प्रो. एनके तनेजा ●

कुलपति ने जरूरतमंदों को बांटी खाद्य सामग्री

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक भवनों का निर्माण कार्य चल रहा था, जो अब बंद पड़ा है। यहां काम करने वाले मजदूरों के 50 से अधिक परिवारों को विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा के नेतृत्व में शिक्षकों ने खाद्य सामग्री बांटी। खाद्य सामग्री में मजदूरों को पांच किलो आटा, दो किलो चावल, दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए गए हैं। ये परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ के हैं।

कुलपति प्रो. एनके तनेजा सीसीएसयू कैंपस स्थित दुर्गा भाभी छात्रावास की किचन में तैयार खाना एसडीएम संदीप श्रीवास्तव को सौंपते हुए।

सीसीएसयू प्रशासन ने दिए खाने के दो हजार पैकेट

मेरठ। कोरोना संकट से जूझ रहे मेरठ के लिए सीसीएसयू की तरफ से कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने शनिवार को दो हजार खाने के पैकेट प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपे। दुर्गा भाभी छात्रावास में इन पैकेट को तैयार कराया गया। रोजाना विवि प्रशासन की तरफ से प्रशासनिक अधिकारियों को खाने के दो हजार पैकेट दिए जाएंगे। बता दें कि सीसीएसयू इस दौरान मदद का हरसंभव प्रयास कर रहा है। कैंपस के गेस्ट हाउस के 18 कमरों को आपातकाल की स्थिति में इस्तेमाल करने के लिए प्रशासन को हैंडओवर किया जा चुका है।

कुलपति ने यूनिवर्सिटी में मजदूरों को बांटा राशन

घर से बाहर न निकलने व सामाजिक दूरी बनाने का दिया संदेश

meerut@inext.co.in

MEERUT (5 April): कोरोना वायरस से बचने के लिए लागू लॉकडाउन में शहर थम सा गया है. वहीं सीसीएस यूनिवर्सिटी में तकरीबन आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंग में निर्माण कार्य चल रहा था. जोकि अब बंद हो चुका है. उस निर्माण को पूरा करने में जुटे मजदूर भी लॉकडाउन में फंस गए हैं. रविवार को वीसी डॉ. एनके चौधरी ने यूनिवर्सिटी के निर्माण कार्य में जुटे 50 से अधिक परिवारों को राशन का सामान बांटा. खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए. इस मौके पर प्रो. वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी शर्मा मौजूद रहे.

PIC : DAINIK JAGRAN INEXT

● मजदूरों को राशन देते वीसी डॉ. एन के तनेजा

कुलपति ने मजदूरों को वितरित की खाद्य सामग्री

बिना काम के बाहर न निकलने व सोशल डिस्टेंसिंग के लिए किया प्रेरित

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए, लगाए गए लॉकडाउन में पूरा शहर थम सा गया है। हर जगह काम बंद पड़े हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं।

रविवार को चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे 50 से अधिक श्रमिक व मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। इस दौरान सभी ने हाथों में ग्लव्स, मॉस्क पहन रखा था।

इस मौके पर कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरों में सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह मजदूरों की मजदूरी में किसी प्रकार की कटौती न करें। मजदूरों को कहा कि किसी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सूचित करें। विश्वविद्यालय द्वारा हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। कुलपति मजदूरों ने कहा कि बिना किसी काम के घर बाहर न निकलें।

साथ ही कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, सहायक कुलानुशासक डॉ. दुष्यंत चौहान को निर्देश दिए कि वह श्रमिक मजदूरों की देखरेख करते रहें। सामग्री वितरण में कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ. दुष्यंत चौहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राजीव सिजेरिया आदि मौजूद रहे।

सीसीएसयू करेगा मजदूरों की देखरेख

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

कैंपस में विभिन्न निर्माणाधीन बिल्डिंग में लॉकडाउन के बाद से फंसे मजदूर और उनके परिवारों को कुलपति ने खाद्य सामग्री वितरित करते हुए सामाजिक दूरी के पालन को कहा। कुलपति ने सभी ठेकेदारों से मजदूरों की मजदूरी नहीं काटने के निर्देश भी दिए हैं। स्थिति संभलने तक इन परिवारों की जिम्मेदारी विवि निभाएगा।

कुलपति प्रो.नरेंद्र कुमार तनेजा ने रविवार को कैंपस में सभी मजदूरों को शिक्षकों के साथ खाद्य सामग्री वितरित की। चीफ प्रॉक्टर प्रो.वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार, रजिस्ट्रार एवं

परीक्षा नियंत्रक अश्विनी शर्मा, डॉ.दुष्यंत चौहान और डिप्टी डायरेक्टर डॉ.राजीव सिजेरिया के साथ प्रत्येक मजदूर को पांच किलो आटा, दो किलो चावल, एक किलो दाल, रिफाइंड और स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए।

कुलपति ने 50 परिवारों को वितरित की खाद्य सामग्री

मेरठ। देश में लॉकडाउन के चलते सभी कार्य बंद है। सीसीएसयू कैंपस में भी आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य में लगे मजदूर यहां फंसे हुए हैं। रविवार को कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने मजदूरों के 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की। कुलपति के साथ चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी शर्मा, डॉ. दुष्यंत चौहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ. राजीव सिजेरिया मौजूद रहे। कुलपति ने ठेकेदार को मजदूरों की मजदूरी में कटौती नहीं करने के निर्देश दिए।

गरीबों को खाद्य सामग्री वितरित करते कुलपति प्रो. एनके तनेजा।

कुलपति ने 50 परिवारों को बांटी खाद्य सामग्री

मेरठ (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने 50 मजदूर परिवारों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। इस दौरान कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव/परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ. दुष्यंत चौहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ. राजीव सिजेरिया मौजूद रहे।

प्रधान ने पुलिसकर्मियों को खिलाई खीर

[illegible]

जेई ने 50 परिवारों को बांटा राशन

[illegible]

योगाचार्य प्रदीप कुमार ने की जरूरतमन्दों की सहायता

[illegible]

कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की

कुमार अशोक

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागए गए लॉकडाउन में यूं तो सारे शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद बड़े हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विष विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं। शनिवार को माननीय कुलपति जी द्वारा वीडियो कांफ्रेस द्वारा ली गई बैठक में दिए गए निर्देश शैक्षिक गतिविधि के साथ सामाजिक सरोकार के क्रम में रविवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे श्रमिक व मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 50 से अधिक परिवारों को माननीय कुलपति जी, कलानुशासक प्रो0 वीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ0 अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ0 दुष्यंत चौहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ0 राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, माध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। इस दौरान सभी ने हाथों में ग्लब्स, मॉस्क पहन रखा था। माननीय कुलपति जी प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरों से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया।

विश्व विद्यालय के कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागए गए लॉकडाउन में यूं तो सारा शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद बडे हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विष विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए विभिन्न जगहों से आए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं। जिनके पेट पर संकट का साया मंडरा रहा है। रविवार को इन्हीं मजदूरों के तकरीबन 50 परिवारों को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने खाद सामग्री का वितरण किया साथ ही सभी श्रमिकों से लॉक डाउन के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने व स्वच्छता रखने के लिए प्रेरित भी किया। वही कुलपति प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने ठेकेदार को निर्देश दिया कि वह किसी भी मजदूर की मजदूरी में किसी भी प्रकार की कटौती ना करें।

भय बिना काम के बाहर न निकलने व सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए किया प्रेरित

कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को बांटे खाद्य सामग्री

भास्कर न्यूज

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागए गए लॉकडाउन मे यूं तो सारे शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद बडे हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय मे भी है, चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर मे आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमे मूल्यांकन केंद्र, विष विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं। शनिवार को माननीय कुलपति जी द्वारा वीडियो कांफ्रेस द्वारा ली गई बैठक में दिए गए निर्देश शैक्षिक गतिविधि के साथ सामाजिक सरोकार के क्रम मे रविवार को चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय मे निर्माण कर रहे श्रमिक व मजदूरो को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 50 से अधिक परिवारों को माननीय कुलपति जी, कलानुशासक प्रो0 बीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ0 अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ0 दुष्यंत चैहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ0 राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री मे मजदूरो को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, माध्य प्रदेश के टीकमगढ व यूपी के प्रतापगढ, आजमगढ आदि जिलो के रहने वाले है। इस दौरान सभी ने हाथो मे ग्लब्स, मॉस्क पहन रखा था। माननीय कुलपति जी प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरो से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह मजदूरों की मजदूरी में किसी प्रका[र] की कटौती ने करें। मजदूरों को कह[ा]

मेरठ

कि किसी प्रकार क[ी] आवश्यकता पडने प[र] तुरंत सूचना करे[ं] विश्वविद्यालय द्वारा हर प्रकार क[ी] मदद करने का आश्वासन दिया[।] माननीय कुलपति जी ने मजदूरों स[े] कहा कि बिना किसी काम के बा[हर] बाहर न निकले। साथ ही माननी[य] कुलपति जी द्वारा कुलानुशासक प्रो[0] बीरपाल सिंह, सहायक कुलानुशासक डॉ0 दुष्यंत चैहान क[ो] निर्देश दिए कि वह श्रमिक मजदूर[ों] की देखरेख करते रहें। माननी[य] कुलपति जी ने की अपील हम अकेले नहीं है, कोई भी अकेला नहीं है।

सीसीएसयू के कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री बांटी

- बिना काम के बाहर न निकलने व सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए किया प्रेरित
- ठेकेदार को दिए मजदूरों की मजदूरी में कटौती न करने के निर्देश

[illegible]

कुलपति ने की अपील हम अकेले नहीं हैं, कोई भी अकेला नहीं है

[illegible]

व्यवस्था कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की, मजदूरी न काटने के ठेकेदार को दिए निर्देश

हर स्थिति में बनाएं सोशल डिस्टेंस : प्रो. तनेजा

हिन्दुस्तान संवाददाता

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागू गए लॉकडाउन में यूं तो सारे शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद पड़े हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विश्व विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। इस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से यहीं पर फंस गए हैं।

ऐसे में शैक्षिक गतिविधि के साथ सामाजिक सरोकार के क्रम में शनिवार को सीसीएसयू के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे श्रमिक व मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया।

50 से अधिक परिवारों को कुलपति, कलानुशासक प्रो. बीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डॉ. दुष्यंत चैहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डॉ. राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। इस दौरान सभी ने हाथों में ग्लव्स, मॉस्क पहन रखा था।

कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरों से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह मजदूरों की मजदूरी में किसी प्रकार की कटौती न करें। मजदूरों को कहा कि किसी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सूचना करें। विश्वविद्यालय द्वारा हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। कुलपति प्रो. एन. के तनेजा ने मजदूरों से कहा कि बिना किसी काम के वह बाहर न निकलें। साथ ही माननीय कुलपति जी द्वारा कुलानुशासक प्रो. बीरपाल सिंह, सहायक कुलानुशासक डॉ० दुष्यंत चौहान को निर्देश दिए कि वह श्रमिक मजदूरों की देखरेख करते रहें।

कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाना बांटा

मेरठ: कोरोना वायरस से बचने के लिए लगातार चल रहे लॉकडाउन में यूं तो सारा शहर थम सा गया है। हर जगह काम बंद पड़े हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार को विवि कुलपति द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। रविवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे श्रमिक व श्रमिकों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 50 से अधिक परिवारों को प्रो. एनके तनेजा, कलानुशासक प्रो. बीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डा. अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डा. दुष्यंत चौहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डा. राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में श्रमिकों को पांच किलो आटा, दो किलो चावल, एक किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। यह 50 से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ व यूपी के प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि जिलों के रहने वाले हैं। कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने श्रमिकों से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह श्रमिकों की मजदूरी में किसी प्रकार की कटौती न करें।

रोजाना 3 हजार लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहा विवि

सहायता

- **जब तक जरूरत होगी लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था कराता रहेगा विवि: कुलपति**
- **चार दिन से प्रतिदिन 3000 लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहा है विश्वविद्यालय**

मेरठ, लोकसत्य

जरूरतमंदों को वितरित करने के लिए खाने के पैकेट तैयार कराते कुलपति प्रो. एनके तनेजा एवं विवि के अधिकारी। लोकसत्य

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना के खिलाफ जंग में शामिल लोगों को खाना उपलब्ध करा रहा है। इस मुहिम के तहत एक सप्ताह से विश्वविद्यालय लगा हुआ है। कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना की जंग में लगे हुए लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए विवि की झोली और खोल दी है।

कुलपति के आदेश से लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन के आग्रह पर पिछले चार दिनों से विश्वविद्यालय की ओर से 3000 भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। भोजन के पैकेट बनवाने के लिए दो हॉस्टलों की मेस प्रयुक्त की जा रही है। 1500 पैकेट भोजन दुर्गा भाभी हॉस्टल में तथा 1500 भोजन के पैकेट पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल में प्रतिदिन बन रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने बताया कि प्रशासन के आग्रह पर भोजन के पैकेट की संख्या को और बढ़ा दी गई है। जब तक प्रशासन कहेगा भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय की ओर से कराई जाएगी।

कोरोना से प्रभावित लोगों के लिए विश्वविद्यालय ने खोली अपनी झोली

वेलकम इंडिया

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना के खिलाफ जंग में शामिल लोगों को खाना उपलब्ध कराने की मुहिम में 1 हफ्ते से विश्वविद्यालय लगा हुआ है। कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना की जंग में लगे हुए लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय की झोली को और खोल दिया है। कुलपति के आदेश से लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन के आग्रह पर पिछले 4 दिनों से विश्वविद्यालय की ओर से 3000 भोजन के पैकेट उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। भोजन के पैकेट बनवाने के लिए विश्वविद्यालय के दो हॉस्टलों की मेस प्रयुक्त की जा रही हैं। 1500 पैकेट भोजन दुर्गा भाभी हॉस्टल में तथा 1500 भोजन के पैकेट पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल में प्रतिदिन बन रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने बताया कि प्रशासन के आग्रह पर भोजन के पैकेटस की संख्या को और बढ़ा दिया गया है। जब तक प्रशासन कहेगा भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय की ओर से निरंतर कराई जाएगी।

● फूड पैकेट्स के साथ वीसी प्रो. एन के तनेजा.

मददगार बन रही यूनिवर्सिटी

meerut@inext.co.in

MEERUT (17 April): लॉकडाउन के दौरान कोई भी शहरवासी भूखा न रहे इसके लिए सीसीएस यूनिवर्सिटी ने भी सराहनीय पहल की है. बीते एक सप्ताह से यूनिवर्सिटी की ओर से हजारों लोगों को खाना मुहैया कराया जा रहा है. वीसी प्रो. एन के तनेजा ने बताया कि बीते चार दिनों से 3 हजार भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं. हॉस्टल की दो मेस खाना बनाने के कार्य में जुटी हैं. उन्होंने बताया कि 500 पैकेट भोजन दुर्गा भाभी हॉस्टल में तथा 1500 भोजन के पैकेट पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल में प्रतिदिन बन रहे हैं.

चौ. चरणसिंह विवि में भोजन का पैकेट तैयार कराते कुलपति ● सौ. विवि

तीन हजार लोगों को बांटा भोजन और खाद्य सामग्री

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय कोरोना से लड़ रहे लोगों को भोजन की व्यवस्था कर रहा है। पिछले चार दिन में तीन हजार से अधिक जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया गया। इसके लिए कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने हॉस्टल के मेस में व्यवस्था की है। उन्होंने बताया कि प्रशासन के अनुरोध पर भोजन के पैकेटों की संख्या बढ़ा दी गई है।

कोरोना से प्रभावित लोगों के लिए विश्वविद्यालय ने खोली झोली

मेरठ: कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना के खिलाफ जंग में शामिल लोगों को खाना उपलब्ध कराने की मुहिम में एक हफ्ते से विश्वविद्यालय लगा हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कोरोना से प्रभावित एवं कोरोना की जंग में लगे हुए लोगों को को भोजन उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय की झोली को और खोल दिया है। कुलपति के आदेश से लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन के आग्रह पर पिछले चार दिन से विश्वविद्यालय की ओर से 3000 भोजन के पैकेट उपलब्ध कराएं जा रहे थे। भोजन के पैकेट बनवाने के लिए विश्वविद्यालय के दो हॉस्टलों की मेस प्रयुक्त की जा रही है। 1500 पैकेट भोजन दुर्गा भाभी हॉस्टल में और 1500 भोजन के पैकेट पं. दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल में प्रतिदिन बन रहे हैं। कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने बताया कि प्रशासन के आग्रह पर भोजन के पैकेट्स की संख्या को और बढ़ा दिया गया है। जब तक प्रशासन कहेगा भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय की ओर से कराई जाएगी।

एनएसएस-एनसीसी कैडेट खिलाएं वंचितों को खाना

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों-कर्मचारियों और छात्रों से कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने कोरोना वायरस को लेकर सरकार का हरसंभव सहयोग करने की अपील की है।

एनएसएस पदाधिकारियों और एनसीसी कैडेट को लॉकडाउन में पांच वंचितों को खाना खिलाने और विद्यार्थियों से कोर्स और साहित्य की किताबें पढ़ने को कहा गया है। सीसीएसयू के रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह ने इस बारे में सभी कॉलेजों को यह निर्देश भेजे हैं। कोरोना वायरस के लक्षण और उससे बचाव के साथ ही शिक्षकों-छात्रों से पूरा समय घर पर रहने की अपील की गई है।

विवि प्रशासन ने सीसीएसयू परिसर एवं विश्वविद्यालय से जुड़े सभी अनुदानित राजकीय एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थियों को गाइडलाइन भी जारी की है। इसमें सभी को अच्छी किताबें और अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए कहा गया है। विद्यार्थी अपनी परीक्षा और सभी शिक्षक अपने आगामी व्याख्यानों की तैयारी करें। शिक्षक, विद्यार्थियों को अधिक से अधिक ऑनलाइन

कोर्स और साहित्य की किताबें पढ़ें, परीक्षा की तैयारी करें छात्र

पाठ्यवस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास करें। छात्र फोन अथवा दूसरे माध्यमों से अपने शिक्षकों से प्रश्न, जिज्ञासा आदि का ऑनलाइन समाधान करें और अपने असाइनमेंट, प्रजेंटेशन ऑनलाइन बनाकर अपने शिक्षक को भेजें। अपनी अलमारी, किताबें, कपड़े आदि व्यवस्थित करें। हमेशा तनाव मुक्त रहें।

अपील में कहा गया कि लूडो, कैरम, शतरंज जैसे इंडोर गेम खेलें। घर में उपलब्ध नहीं हों तो इंटरनेट का सहारा लिया जा सकता है। कॉमिडी मूवी अथवा रामायण देखें ताकि मानसिक तनाव कम हो। मित्रों और करीबियों एवं रिश्तेदारों से वीडियो कॉलिंग के जरिये संपर्क बनाए रखें। लड़कियां सिलाई-बुनाई, कुकिंग-बेकिंग, ड्राइंग-पेंटिंग जैसे रचनात्मक कार्य भी सीखें। राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर और स्काउट एवं गाइड से जुड़े विद्यार्थी अपने आसपास के पांच मजदूरों-कामगारों अथवा वंचितों को भोजन कराएं। अगर आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो प्रधानमंत्री केयर फंड में कुछ दान दें। कुलपति प्रो. एनके तनेजा की यह अपील कुलसचिव की तरफ से सभी कॉलेजों को भेजी गई है।

कुलपति ने 50 से अधिक परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की

सलाह

- बिना काम के बाहर न निकलने व सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए किया प्रेरित
- ठेकेदार को दिए निर्देश मजदूरों की मजदूरी में न करे कटौती

मेरठ समाचार,संवाददाता

मेरठ। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागए गए लॉकडाउन में यूं तो सारे शहर थम सा गया। हर जगह काम बंद पड़े हुए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विश्वविद्यालय में भी है, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आधा दर्जन से अधिक बिल्डिंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें मूल्यांकन केंद्र, विष विज्ञान भवन, हिन्दी भवन, पत्रकारिता एवं जनसंचार भवन का निर्माण कार्य भी फिलहाल बंद हो गया है। उस निर्माण को पूरा करने के लिए लगे हुए मजदूर भी लॉकडाउन की वजह से वहीं पर फंस गए हैं। कुलपति द्वारा वीडिया कांफ्रेंस द्वारा ली गई बैठक में दिए गए निर्देश शैक्षिक गतिविधि के साथ सामाजिक सरोकार के क्रम में रविवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय में निर्माण कर रहे श्रमिक व मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 50 से अधिक परिवारों को कुलपति, कलानुशासक प्रो. बीरपाल सिंह, वित्त नियंत्रक सुशील कुमार गुप्ता, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डा. अश्वनी शर्मा, सहायक कुलानुशासक डा. दुष्यंत चैहान, एससीआरआईईटी के डिप्टी डॉयरेक्टर डा. राजीव सिजेरिया ने खाद्य सामग्री का वितरण किया। खाद्य सामग्री में मजदूरों को 5 किलो आटा, 2 किलो चावल, 1 किलो दाल, रिफाइंड, स्वच्छता के लिए दो साबुन दिए। वह पचास से अधिक मजदूर परिवार बिहार के मोतीहारी, पटना, वैशाली, माध्य प्रदेश के टीकमगढ व यूपी के प्रतापगढ, आजमगढ आदि जिलों के रहने वाले हैं।

इस दौरान सभी ने हाथों में गलब्स, मॉस्क पहन रखा था। कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने मजदूरों से सामाजिक दूरी बनाए रखने, स्वच्छता रखने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह मजदूरों की मजदूरी में किसी प्रकार की कटौती न करें। मजदूरों को कहा कि किसी प्रकार की आवश्यकता पडने पर तुरंत सूचना करें। विश्वविद्यालय द्वारा हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। कुलपति ने मजदूरों से कहा कि बिना किसी काम के वह बाहर न निकलें। साथ ही कुलपति द्वारा कुलानुशासक प्रो. बीरपाल सिंह, सहायक कुलानुशासक डा. दुष्यंत चौहान को निर्देश दिए कि वह श्रमिक मजदूरों की देखरेख करते रहें।

कुलपति ने की अपील हम अकेले नहीं है, कोई भी अकेला नहीं है।

कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने विश्वविद्यालय परिसर तथा उससे संबंद्ध महाविद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राओं तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों से अपील की कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर करोना के अंधकार को चुनौती देने हेतु दिनांक 5 अप्रैल 2020 को रात्रि 9 बजे सभी घरों की लाइट बंद करके घर के दरवाजे या बॉलकॉनी में खड़े होकर मोमबत्ती, दीया, टार्च, मोबाइल की लाइट को 9 मिनट तक जलाएं जो इस संकल्प को संकेत होगा कि हम अकेले नहीं है, कोई भी अकेला नहीं है। साथ ही मजदूरों से भी इसकी अपील की।

आरोग्य सेतू ऐप का प्रयोग करने के निर्देश

शिक्षक और छात्र डाउनलोड करें आरोग्य सेतु

जागरण संवाददाता, मेरठ : केंद्र सरकार की ओर कोरोना वायरस से सतर्कता के लिए तैयार किए गए आरोग्य सेतु मोबाइल एप अब हर शिक्षक और छात्र को डाउनलोड करना होगा। शासन के निर्देश के बाद चौ. चरणसिंह विवि ने सभी कॉलेजों के शिक्षकों और छात्रों को इस एप को डाउनलोड करने को कहा है।

गुरुवार को कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इस एप में सेल्फ असेसमेंट की सुविधा दी गई है। ब्लूटूथ और लोकेशन जेनरेटेड सोशल ग्राफ की मदद से आरोग्य सेतु कोरोना पॉजिटिव लोगों के साथ संपर्क को ट्रैक करता है। यदि जाने और अनजाने में कोई कोविड-19 पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आता है, तो इस एप के माध्यम से संबंधित तक सूचना पहुंचाने का विकल्प भी उपलब्ध है। कुलपति प्रो. तनेजा ने कहा है कि इसे सभी लोग गंभीरता से लें, क्योंकि इसके साथ हम स्वयं की अपने परिवार की और सहयोगियों की सुरक्षा कर सकते हैं। साथ ही समाज और प्रदेश को भी सुरक्षित रख सकते हैं। कुलपति ने सभी शिक्षकों को छात्र-छात्राओं की नियमित काउंसिलिंग करने का भी सुझाव दिया है। ताकि घर बैठे-बैठे छात्रों को तनाव की स्थिति न रहे। ऑनलाइन क्लास को लेकर भी शिक्षकों को गंभीरता से खुद का मूल्यांकन करते रहने का सुझाव भी कुलपति ने शिक्षकों को दिए हैं।

मोबाइल एप

- सीसीएसयू ने शिक्षकों और छात्रों से एप डाउनलोड करने को कहा
- शिक्षक और विद्यार्थियों को नियमित काउंसिलिंग करने का भी सुझाव

वर्क फ्रॉम होम में क्या किया बताएं

लॉकडाउन में कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। कोरोना वायरस से बचाव और शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए यह जरूरी भी है। वर्क फ्रॉम होम को जरूरी बनाने के लिए अब शासन की ओर से सक्रियता दिखाई जा रही है। चौ. चरणसिंह विवि के रजिस्ट्रार और उससे जुड़े राजकीय व अनुदानित कॉलेज और निजी कॉलेज के प्राचार्यों से उच्च शिक्षा विभाग की निदेशक डा. वंदना शर्मा ने लॉकडाउन में घर से किए क्रियाकलापों की सूचना मांगी है।

डाउनलोड करें आरोग्य सेतु एप

आरोग्य सेतु एप के लॉन्च होने के कुछ ही समय में एक करोड़ से अधिक लोगों ने इसे डाउनलोड किया है। सरकार का यह एप लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे और जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। एंड्रॉयड और आईफोन दोनों तरह के स्मार्टफोन पर इसे डाउनलोड किया जा सकता है। यह खास एप आसपास मौजूद कोरोना प्रभावित लोगों के बारे में पता लगाने में मदद करेगा। आपके मोबाइल के ब्लूटूथ, स्थान और मोबाइल नंबर का उपयोग करके ऐसा किया जाता है। शासन के निर्देश पर रजिस्ट्रार की तरफ से सभी प्राचार्यों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। वे खुद के साथ दूसरों के मोबाइल में इस एप को डाउनलोड करने की अपील करें।

फैकल्टी डवलपमेन्ट प्रोग्राम के तहत अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम द्वारा पढ़ाई कराएं शिक्षक

मेरठ। सीसीएसयू कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कोविड-19 वायरस के कारण किए गए लॉक डाउन से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर विश्वविद्यालय के समस्त विभाग अध्यक्षए संकाय अध्यक्ष एवं छात्र छात्राओं को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद अर्थात एआईसीटीई द्वारा शुरू किए गए फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम द्वारा पढ़ाई कराने के निर्देश दिए । जिससे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के संबंध में किसी भी प्रकार की परेशानी ना। बता दें कि इससे पूर्व विवि कुलपति ने सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के सभी शिक्षकों को आदेश जारी करते हुए ऑनलाइन पढ़ाई कराने की भी आदेश जारी किए थे, जिससे कि छात्र छात्राओं के समय पर सेमेस्टर के पाठ्यक्रम पूरे हो सकें।

कुलपति ने दिए आवश्यक निर्देश

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कोविड-19 वायरस के कारण किए गए लाक डाउन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के मद्देनजर विश्वविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्षों/संकायाध्यक्षों एवं छात्र/छात्राओं को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई 08) व अटल लर्निंग अकादमी द्वारा 35 विभिन्न पाठ्यक्रमों में शुरू किये गये फैकल्टी डवलपमेन्ट प्रोग्राम द्वारा पढ़ाई कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

अटल लर्निंग अकादमी से नाता जोड़ें शिक्षक

जागरण संवाददाता, मेरठ : लॉकडाउन की वजह से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कई शिक्षण संस्थान अपनी ओर से कोशिश कर रहे हैं कि छात्रों को घर बैठे वे पाठ्य सामाग्री और ई-कंटेंट उपलब्ध करा सकें। इसके लिए ऑनलाइन क्लास भी शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति ने परिसर के सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के

साथ छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ने और पढ़ाने के लिए कहा है। उन्होंने इसके तहत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और अटल लर्निंग अकादमी से संचालित 35 विभिन्न पाठ्यक्रमों में शुरू किए गए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम से पढ़ने के लिए कहा है। अटल अकादमी का पूरा नाम एआइसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग है। इसमें एआइसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) के ट्रेनिंग प्रोग्राम जुड़े हैं। एआइसीटीई ही अटल अकादमी की मदद करती है। तकनीकी शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों में अटल अकादमी के माध्यम से इनोवेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ऑनलाईन कॉउंसलिंग के माध्यम से परामर्श की सुविधा

मानसिक तनाव से बचने को लोगों देंगे टिप्स

सीसीएस के मनोविज्ञान विभाग ने शुरू किया मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। कोरोना वायरस से उतपन्न महामारी (कोविड-19) के प्रसार की रोक-थाम हेतु लाकडाउन इत्यादि से उत्पन्न होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निदान हेतु विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र स्थापित किया गया है। अल्पना अग्रवाल ने बताया कि इस अवधि के दौरान यदि आप तनाव, चिन्ता, अकेलेपन, अवसाद या आत्मघाती विचारों का सामना कर रहे हैं, अथवा आपको इस अवधि में सकारात्मक जीवनशैली के विकल्पों के बारे में जानकारी की आवश्यकता है तो आप दिये गए विभाग के शिक्षकों से उनके नामों के सम्मुख दिये गए फोन नम्बर पर दिये गए समयानुसार निशुल्क परामर्श ले सकते हैं। यह सुविधा न केवल विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं के लिए उपलब्ध है, अपितु आम जनमानस भी इस सुविधा का लाभ उठाकर कोरोना वायरस के विरूद्ध इस विश्वव्यापी युद्ध में अपने आप को मानसिक रूप से सुदृढ़ रख सकते हैं।

विवि के शिक्षक देंगे जनता को निःशुल्क परामर्श

❖ अब अगर आप घर बैठे चिंता व तनाव या आत्मघाती विचारों का सामना कर रहे हैं तो घबराइए नहीं

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने सभी डीसए एचओडी सभी शिक्षक एवं कॉलेज के प्राचार्यों से अपील करते हुए कहा है कि कोरोना वायरस के कारण किये गए लॉकडाउन से उत्पन्न हुई परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को यूजीसी द्वारा दिये गए 10 लिंक का उपयोग करना बताये।

जिससे वह घर पर ही रहकर आराम से पढ़ाई कर सकें। साथ ही कहा कि ऑनलाइन कक्षाओं को भी निरंतर जारी रखें। वहीं प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि छात्र व छात्राओं को लगातार जूम एएए स्काईप आदि पर ऑलनईन लैक्चरए ई.मेलए व्हाट्स एएए एवं वेबसाईट के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते रहें। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना वायरस से उतपन्न महामारी ;कोविड.19द्ध के प्रसार की रोक.थाम हेतु लोकडाउन इत्यादि से उतपन्न हाने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निदान के लिए विंश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों के द्वारा मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र स्थापित किया गया है। बताया कि इस अवधि के दौरान यदि कोई भी तनाव, चिन्ता, अकेलेपन, अवसाद या आत्मघाती विचारों का सामना कर रहा है अथवा किसी को इस अवधि में सकारात्मक जीवनशैली के विकल्पों के बारे में जानकारी की आवश्यकता है। तो कोई भी विश्वविद्यालय द्वारा विभाग के शिक्षकों के जारी किए गए फोन नम्बर पर समयानुसार निशुल्क परामर्श ले सकते हैं। प्रेस प्रवक्ता ने बताया कि यह सुविधा न केवल विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं के लिए उपलब्ध है। बल्कि कोई भी आम जनमानस इस सुविधा का लाभ उठाकर कोरोना वायरस के विरूद्ध इस विश्वव्यापी युद्ध में अपने आप को मानसिक रूप से सुदृढ रख सकते है।

लॉकडाउन में बढ़ रहा तनाव, सीसीएसयू करेगा निदान

मेरठ। लॉकडाउन के कारण हर कोई आज घर पर बैठने को मजबूर है। ऐसे में मानसिक तनाव की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। इसको देखते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा ऑनलाइन काउंसिलिंग की व्यवस्था की गई है। सुबह नौ बजे से शाम छह बजे के बीच छात्र-छात्राएं, कर्मचारी एवं अन्य लोग शिक्षकों से फोन पर बात कर सकते हैं। पूरे विश्व में इस समय कोरोना वायरस का खौफ फैला हुआ है। ऐसे कठिन समय में हर कोई घर पर रहने को मजबूर हो गया है। इसके चलते लोगों को तमाम तरह की समस्याएं होने लगी हैं। छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर फर्क पड़ने के कारण वे भी अवसाद में आने की स्थिति में हैं। ऐसे में सीसीएसयू कैंपस के मनोविज्ञान विभाग द्वारा ये पहल की गई है।

मोबाइल नंबरों पर दिए गए समय में होगी ऑनलाइन काउंसिलिंग

यह सुविधा न केवल विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र - छात्राओं के लिए उपलब्ध है, बल्कि दूसरे लोग भी शिक्षकों के फोन नंबर पर बात करके अपनी समस्या का निराकरण कर सकते हैं।

इन नंबरों पर करें बात

अल्पना अग्रवाल - सुबह नौ बजे से 11 बजे दोपहर तक - 9897012120

स्नेहलता जसवाल - सुबह नौ बजे से 11 बजे दोपहर तक - 8146396208

भावना तुशीर - शाम तीन बजे से शाम पांच बजे तक - 9760951529

संजय कुमार - शाम चार बजे से शाम छह बजे तक - 8899333777

विशाखा चौधरी - शाम चार बजे से शाम छह बजे तक - 9568304395

यूजीसी ने जारी किए पढ़ाई के 10 लिंक

सीसीएसयू ने सभी कॉलेजों को लिंक के जरिए छात्रों को पढ़ाने को दिए निर्देश

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन में कॉलेजों के छात्रों की पढ़ाई जारी रखने के लिए यूजीसी ने दस लिंक जारी किए हैं। इन लिंक पर विभिन्न विषयों के डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हैं, जिसे छात्र घर बैठे एक्सेस कर सकते हैं।

यूजीसी के अनुसार इन सभी लिंक पर यूजीसी और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर, इंफॉर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क और कंसोर्टियम फॉर एजुकेशन कम्यूनिकेशन यानी सीईसी के संयुक्त सहयोग से शिक्षण सामग्री डिजिटल फार्मेट में ऑनलाइन रखी गई है।

विवि ने सभी कॉलेजों को भेजे लिंक

चौ. चरण सिंह विवि के कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने सभी डीन, एचओडी व शिक्षण कॉलेजों के प्राचार्यों को यूजीसी की ओर से जारी सभी लिंक छात्रों तक पहुंचाने को कहा है। अधिक से अधिक छात्रों तक यह सभी लिंक पहुंचने से वह घर पर ही पढ़ाई कर सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन क्लास जारी रखने को कहा है और छात्रों को जूम, स्काईप आदि पर ऑनलाइन लेक्चर, ई-मेल, वाट्सएप और वेबसाइट के माध्यम से पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराते रहें।

इन नंबरों पर तय समय पर करें फोन

अल्पना अग्रवाल : सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक : 9897012120

स्नेहलता जायसवाल : सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक : 8146396208

भावना तुशीर : दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक : 9760951529

संजय कुमार : शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक : 8899333777

विशाखा चौधरी : शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक : 9568304395

इन लिंक पर पढ़ाई कर सकते हैं छात्र

swayam.gov.in
http://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/ugcmoocs/moocs_courses.php
https://epgp.inflibnet.ac.in
http://cec.nic.in
https://swayamprabha.gov.in
https://www.youtube.com/user/cecedusat
https://ndl.iitkgp.ac.in
https://shodhganga.inflibnet.ac.in
https://shodhganga.intlibnet.ac.in
https://vidwan.inflibnet.ac.in

विवि ने जारी किए ऑनलाइन काउंसिलिंग नंबर

जागरण संवाददाता, मेरठ : कोरोना वायरस से उत्पन्न महामारी के कारण हो रही मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निदान हेतु विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों ने मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र स्थापित किया है। विवि के अनुसार लॉकडाउन के दौरान लोगों में तनाव, चिंता, अकेलेपन, अवसाद या आत्मघाती विचार उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे समय में लोगों को सकारात्मक जीवनशैली के विकल्पों के बारे में जानकारी की आवश्यकता है। इन लोगों की घर बैठे मदद करने के लिए विवि ने शिक्षकों के नाम व फोन नंबर दिये हैं। इस पर समयानुसार निशुल्क परामर्श ले सकते हैं। यह सुविधा न केवल विवि व उससे संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के लिए भी है। आम लोग भी अपने आप को मानसिक रूप से मजबूत कर सकते हैं।

लॉकडाउन से होने लगी है टेंशन तो दूर करेगा विवि

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

लॉकडाउन से घर में बैठे-बैठे तनाव और डिप्रेशन होने लगा है तो विश्वविद्यालय आपकी मदद करेगा। मानसिक दिक्कतों को दूर करने के लिए विवि ने पांच काउंसलर्स की तैनाती कर परामर्श केंद्र बनाते हुए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। स्टूडेंट और शिक्षकों के साथ आम लोग भी इन नंबरों पर फोन कर अपनी समस्याओं का समाधान जान सकते हैं। काउंसिलिंग निशुल्क रहेगी।

वह पहल मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों ने की है। विवि के अनुसार परामर्श केंद्र लोगों को लॉकडाउन के दौरान सामने आ रही मानसिक परेशानियों का समाधान करेगा। केंद्र पर सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक काउंसलर्स से तनाव, चिंता, अकेलेपन, अवसाद जैसे विचारों पर काउंसिलिंग ली जा सकती है। पॉजीटिव जीवनशैली के विकल्पों को जानना चाहते हैं वे भी इन नंबरों पर बात कर सकेंगे।

एनएएस में शिक्षक तैयार

शनिवार को एनएएस कॉलेज में प्राचार्य डॉ. वीपी राकेश ने जूम एप के जरिए एचओडी के साथ बैठक करते हुए रेगुलर क्लास चलाने के निर्देश दिए। वीपी राकेश ने शिक्षकों से ऑडियो-वीडियो लेक्चर को तैयार करते हुए वेबसाइट एवं स्टूडेंट को भेजने को कहा। डॉ. वीपी राकेश के अनुसार शिक्षकों ने स्टूडेंट तक कंटेंट भेजना शुरू कर दिया है। स्टूडेंट को घर बैठे ही पाठ्य सामग्री मिलेगी।

मेरठ कॉलेज : ऑनलाइन स्टडी

दूसरी ओर, मेरठ कॉलेज में वेबसाइट www.meerutcollege.org पर स्टडी ऑनलाइन लिंक शुरू हो गया है। प्राचार्य डॉ. युद्धवीर सिंह के अनुसार इस लिंक पर सभी कक्षाओं को कोर्स मैटेरियल है। स्टूडेंट इस लिंक से कंटेंट डाउनलोड करते हुए तैयार करते रहें। शिक्षकों के मोबाइल नंबर भी वेबसाइट पर अपलोड हैं।

इन नंबरों पर मिलेगी मदद

- अल्पना अग्रवाल, पूर्वाह्न 9:00 से 11 बजे, 9897012120
- स्नेहलता जयसवाल, पूर्वाह्न 9:00 से 11 बजे, 8146396208
- भावना तुशीर अपराह्न 03:00 से 05:00 बजे, 9760951529
- संजय कुमार सांय 04:00 से 06:00, 8899333777
- विशाखा चौधरी शाम 04:00 से 06:00 बजे, 956830439

बच्चों के लिए निशुल्क उपलब्ध हैं किताबें

मेरठ। बच्चों के लिए वेबसाइट पर बांस का घर, आमिया की हार, अलू, अमया भैया-निमया भैया, बबूल का भूत, बड़ा मूर्ख कौन, बालगीत, बाल कुमार, भाग सनी भाग, बोलती डिबिया, बूढ़ा घड़ियाल, दादी की दादी, पानी का मोल और पूंछ की पूंछ किताबें निशुल्क उपलब्ध हैं।

अब मनोवैज्ञानिक दूर करेंगे कोरोना का डर

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने शनिवार को कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न हुई। समस्याओं के निदान के लिए सीसीएसयू के मनोविज्ञान विभाग में एक मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र की स्थापना की है। ताकि विश्वविद्यालय व उससे संबंधित मेरठ व सहारनपुर मंडल के कॉलेजों के छात्र-छात्राएं मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र से कोरोना वायरस से संबंधित समस्याओं का निदान पा सकें। विश्वविद्यालय ने परामर्श केंद्र पर कई मनोवैज्ञानिक शिक्षकों की नियुक्ति भी की है, जो छात्र-छात्राओं की समस्याओं का निदान करेंगे। कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन की अवधि में यदि आप तनाव, चिंता, अकेलापन, अवसाद या आत्मघाती विचारों का सामना कर रहे हैं और आपको इस अवधि में सकारात्मक जीवन शैली के विकल्पों के बारे में जानकारी की आवश्यकता है तो आप विभागों के शिक्षकों से विश्वविद्यालय की ओर से जारी किए गए नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। संपर्क के लिए विश्वविद्यालय की ओर से समय निर्धारित किया गया है। जिस पर समय अनुसार शिक्षक निशुल्क परामर्श देंगे। बता दें कि यह सुविधा न केवल विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं के लिए उपलब्ध है बल्कि आम जनमानस भी इस सुविधा का लाभ उठा कर कोरोना वायरस के विरुद्ध इस विश्वव्यापी युद्ध में अपने आप को मानसिक रूप से स्थिर बना सकते हैं। वहीं सीसीएसयू कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने सभी एचओडी व शिक्षकों और कॉलेज प्राचार्य से अपील की है कि कोरोना वायरस के कारण हुए लॉक डाउन से से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों को यूजीसी द्वारा दिए गए 10 लिंक का उपयोग करना बताएं। ताकि वे घर रहकर पढ़ाई कर सकें। साथ ही उन्होंने ऑनलाइन कक्षाएं भी निरंतर जारी रखने के लिए कहा है।

सीसीएसयू के मनोविज्ञान शिक्षकों द्वारा स्थापित किया गया मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र

छात्र-छात्राएं समय अनुसार ले सकते हैं निशुल्क परामर्श

इन नंबरों पर किया जा सकता है संपर्क

- कल्पना अग्रवाल सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक 98970121220
- स्नेह लता जयसवाल 9:00 से 11:00 बजे 8146396208
- भावना तुषीर 3:00 से 5:00 तक 9760951529
- संजय कुमार 4:00 से 6:00 तक 8899333777

ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर जोर देंगे विश्वविद्यालय

मेरठ: कोरोना वायरस के चलते हुए लोग डाउन में जहां देश के सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों में इस समय छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है। वहीं, अब यूजीसी छात्रों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करने की भी तैयारी कर रहा है।

बता दें कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के अन्य विद्यालय भी अब ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर अधिक जोर देंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को एक ऑनलाइन निधि पोर्टल तैयार करने के लिए कहा है। यूजीसी का मानना है कि इंटरनेट के युग में विश्वविद्यालयों का लक्ष्य सभी को बेहतर शिक्षा प्रदान करने का होना चाहिए। क्योंकि डिजिटल माध्यम सस्ते में व आसानी से छात्रों तक पहुंचने वाले होते हैं छात्रों को क्षमता अनुसार सीखने का सशक्तीकरण भी प्रदान करते हैं। यूजीसी अपने जिस पोर्टल से ऑनलाइन पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने की बात कर रहा है। वह भारत सरकार की ओर से पहले से ही चल रहे कार्यक्रम का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य सभी को बेहतर शिक्षा साधन उपलब्ध कराना है। इसमें पाठ्यक्रमों को वीडियो सुनने वह मुद्रित सामग्री को डाउनलोड करने के साथ विकल्प हल करने की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला का कहना है कि कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन में ऑनलाइन शिक्षा पद्धति को बढ़ावा मिला है। यूजीसी ने पहले से ही विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने की आदेश दिए थे। इससे छात्रों को काफी लाभ मिलेगा।

डिप्रेशन है तो विवि की टीम करेगी समाधान

मेरठ (हिन्ट संवाददाता)। लॉक डाउन के दौरान डिप्रेशन या तनाव की स्थिति आ गई है तो चौधरी चरण सिंह विवि इस मामले में आपकी आपकी मदद करेगा। मानसिक परेशानी को दूर करने के लिए विवि ने पांच काउंसलर्स की एक टीम का गठन किया है। विवि ने इनके नंबर लोगों को उपलब्ध कराए हैं। इसकी एक हैल्पलाइन सेवा भी शुरू की गई है। इसके लिए विवि परिसर में बकायदा एक परामर्श केंद्र बनाया गया है। मेरठ और वेस्ट के सभी जिलों के लोग इन नंबरों पर फोन कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। काउंसिलिंग की ये सेवा निशुल्क रहेगी। इस तरह की पहल विवि के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों ने स्वयं की है। विवि के अनुसार परामर्श केंद्र लोगों को लॉकडाउन के दौरान सामने आ रही मानसिक परेशानियों का समाधान करेगा।

इन नंबरों पर मिलेगी मदद :—

अल्पना अग्रवाल,	सुबह 9 :00 से 11 बजे, 9897012120
स्नेहलता जयसवाल,	सुबह 9 :00 से 11 बजे, 8146396208
भावना तुशीर	दोपहर 03 :00 से 05 :00 बजे, 9760951529
संजय कुमार	शाम 04 :00 से 06 :00, 8899333777
विशाखा चौधरी	शाम 04 :00 से 06 :00 बजे, 956830439

धन्यवाद